संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 253
पृष्ठ 8
रविवार
02 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जरूरी कायदे भी हैं कामयाबी...

विचार- गर्मी की मार से बेहाल आधा भारत

खेल- विराट कोहली को किस नंबर पर...

एक बार फिर प्रचंड बहुमत वाली मोदी सरकार बननी तय : सीएम योगी

नारी शक्ति का शत प्रतिशत आशीर्वाद

पीएम मोदी के साथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की इस महापुर में आधी आबादी का सत प्रतिशत आशीर्वाद पीएम मोदी को मिल रहा है इसके लिए कारण गिनाते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अभूतपूर्व कार्य किए हैं। उन्होंने शक्ति वंदन अधि ानियम, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, मातृ वंदना आदि योजनाओं से नारी सशक्तिकरण को नई दिशा दी है।

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की जनता के प्रबल समर्थन और आशीर्वाद से 4 जून को जब लोकसभा चुनाव के अलग अलग चरणों मे हुए मतदान का फैसला आएगा तो एक बार फिर प्रचंड बहुमत से मोदी सरकार बननी तय है। जनता ने विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण में शनिवार सुबह मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण का चुनाव आज देश के 8 राज्यों की 57 सीटों पर हो रहा है। इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश की 13 सीटों महाराजगंज, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, बांसगांव, सलेमपुर, बलिया, घोसी, रॉबर्ट्सगंज, गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली व मिर्जापुर पर भी आज वोट डालें जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई महीने से अधिक समय से जो देश के अंदर आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों ने जनता जनार्दन के सामने अपने–अपने

मुद्दे रखे। अपनी सरकारों के समय के कार्य और कारनामों को रखा। देश के अंदर नई सरकार का गठन करने के लिए मतदाताओं ने सभी राजनीतिक दलों के शासनकाल और कुछ दलों की पूर्व सरकारों के कारनामों का अवलोकन करते हुए उनका मूल्यांकन किया है। देश के अंदर जो समर्थन मिला है, उसको ध्यान में रखते हुए कहा जा सकता है कि 4 जून को जब जनता का फैसला आएगा तो देश के अंदर आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, विरासत भी–विकास भी, गरीबों के प्रति संवेदना भी और युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए जिन लोगों ने, जिन पार्टियों ने, जिन सरकारों ने काम किया है, उनका पूरा आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। जनता को यह सुखद अनुभूति होगी देश में पीएम मोदी एक बार फिर से प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे और उत्तर प्रदेश इसमें अपनी भूमिका का पूरी मजबूती से निर्वहन करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों ने 10 वर्षों में बदलते हुए भारत को तथा पिछले 7 वर्षों में डबल इंजन की सरकार में नए उत्तर प्रदेश का दर्शन किया है। यहां युवाओं के लिए, किसानों के लिए, व्यापारियों के लिए, महिलाओं के लिए और समाज के हर तबके के लिए सुरक्षा, सम्मान और विकास की भावना से जो कार्य मोदी जी के नेतृत्व में हुआ है, उससे जनता का आशीर्वाद मोदी जी को भारतीय जनता पार्टी को पूरे प्रदेश के अंदर देश के अंदर प्राप्त हुआ है और हो रहा है।

मौसम की अग्नि परीक्षा में भी कम नहीं हुआ मतदाताओं का उत्साह : सीएम योगी ने प्रतिकूल मौसम के बावजूद मतदाताओं के उत्साह के लिए हृदय से उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस समय तापमान 50 डिग्री का आसपास जा रहा है। इसके बावजूद मतदान के लिए जनता का उत्साह कम नही रहा। बल्कि जनता ने और आगे बढ़कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना योगदान दिया है। सीएम ने कहा कि 50 डिग्री का टेंपरेचर कभी यहां लोगों ने नहीं देखा। प्रकृति परीक्षा ले रही है। प्रकृति की इस परीक्षा में हम सबको खरा उतरना होगा। जनता जनार्दन को अपने आप को साबित करना होगा कि अग्नि परीक्षा के इस दौर में हम लोकतंत्र को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि आज सातवें चरण के मतदान के दिन प्रातः काल मौसम बहुत सुहावना हो गया है। मतदाताओं से अपील है कि सुहावने मौसम का आनंद लेकर मतदान करें। सीएम ने कहा कि जाति, मत महजब से ऊपर उठकर विकसित और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए, आगामी तीन वर्षों में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए, सभी नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए जनता जनार्दन का आशीर्वाद मोदी जी और भाजपा को प्राप्त हो रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के दिल्ली आवास पर इन्डिया ब्लॉक की बैठक

राहुल–सोनिया, केजरीवाल,अखिलेश समेत 23 नेता मौजूद, लोकसभा रिजल्ट को लेकर रणनीति पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी गठबंधन इन्डी ब्लॉक के नेताओं की बैठक शनिवार (1 जून) को कांग्रेस प्रेसिडेंट मल्लिकाजुर्न खड़गे के दिल्ली निवास पर शुरू हो गई है। इसमें कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड सीएम चंपई सोरेन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध यक्ष फारूक अब्दुल्ला, एनसीपी चीफ शरद पवार, आप के संयोजक दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव सहित अन्य नेता मौजूद हैं। आज की बैठक में पीडीपी और टीएमसी नेताओं ने भाग नहीं लिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की खबर के मुताबिक, इन्डी. ब्लॉक की बैठक में 4 जून को आने वाले चुनाव नतीजों को लेकर रणनीति तैयार की जा रही है। प्छक् अलायंस की ये 6वीं बैठक है। इससे पहले गठबंधन के नेता पटना, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली में बैठक कर चुके हैं। एक बार वर्चुअल मीटिंग हुई थी।

झूठ फैलाना केजरीवाल की फितरत, पहले से दे रहे ज्यादा पानी : हरियाणा सीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पानी का संकट इतना वास्तविक हो गया है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि कई इलाकों में लोगों को खाली बाल्टियों के साथ पानी के टैंकरों तक पहुंचने की जद्दोजहद करते देखा गया, कुछ लोग अपने बर्तन भरने के लिए कतार में भी कूद पड़े। दिल्ली जल संकट को लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। आम आदमी पार्टी इसके लिए हरियाणा सरकार को दोष दे रही है। आप का दावा है कि हरियाणा की ओर से दिल्ली को कम पीनी भेजा जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हरियाणा सरकार पर निशाना साधा था। इन सब के बीच अब हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने पलटवार किया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि केजरीवाल पहले भी यह आरोप लगा चुके हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे भ्रष्टाचार पर कम और विकास पर ज्यादा ध्यान दें। उन्होंने दावा किया कि कोर्ट के आदेश पर हुए समझौते में तय सीमा से ज्यादा पानी हरियाणा दिल्ली को दे रहा है हरियाणा सहमति से ज्यादा पानी दे रहा है। सैनी ने तंज कसते हुए कहा

कि अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए लोगों के बीच झूठ फैलाना अरविंद केजरीवाल की फितरत है।

आप सरकार का दावा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आग्रह किया कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी सरकारों से राष्ट्रीय राजधानी को एक महीने तक पानी उपलब्ध ा कराने के लिए कहे। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, अगर भाजपा हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी सरकारों से बात करके एक महीने के लिए दिल्ली को कुछ पानी दिलवा दे तो दिल्ली वाले भाजपा के इस कदम की खूब सराहना करेंगे। जल संसाध ान मंत्री आतिशी का दावा है कि हरियाण द्वारा पानी रोकने की वजह से शहर के कई हिस्सों में जल संकट उत्पन्न हो गया है।

रायबरेली में ईवीएम के स्ट्रांग रूम में तैनात उप निरीक्षक की मौत

रायबरेली, एजेंसी। रायबरेली जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में स्ट्रांग रूम (जहां मतदान के बाद ईवीएम रखी जाती हैं) में तैनात 58 वर्षीय उप निरीक्षक की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। रायबरेली जिले में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान हुआ था। मतदान होने के बाद ईवीएम को गोरा बाजार स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में बने स्ट्रांग रूम में रखा गया।

तीन दिन बाद पूरा हुआ पीएम मोदी का ध्यान

45 घंटे तक कन्याकुमारी में की साधना, अंतिम दिन विवेकानंद के छुए पैर

कन्याकुमारी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीन दिवसीय ध्यान पूरा हो गया है। पीएम मोदी पिछले 45 घंटे से कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में ध्यान कर रहे थे। वे तीन दिन ध्यान मंडपम में ही रहे। इस ध्यान मंडपम की खास बात यह है कि यह वही स्थान है, जहां स्वामी विवेकानंद ने देश भ्रमण के बाद तीन दिनों तक ध यान किया था। यहीं उन्होंने विकसित भारत का सपना देखा था। ऐसी मान्यता है कि इस स्थान पर देवी पार्वती ने एक पैर पर खड़े होकर साधना की थी।

दूसरे दिन भगवा गमछे में दिखे थे पीएम मोदी

ध्यान के दूसरे दिन की शुरुआत पीएम मोदी ने सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर किया। पीएम मोदी के ध्यान का भी एक वीडियो

सामने आया, वीडियो में पीएम मोदी भगवा कुर्ता और गमछे में थे। कल उन्होंने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष बैठकर ध्यान की। उनके हाथों में माला है और ओम की आवाज गूंज रही थी।

पारंपरिक दक्षिण भारतीय परिध ान में कन्याकुमारी पहुंच थे

पीएम मोदी गुरुवार को कन्याकुमारी पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ध ोती पहने दक्षिण भारत की पारंपरिक पोशाक में दिखे। उन्होंने ऑफ–व्हाइट रंग का शॉल ओढ़ रखा था। कन्याकुमारी पहुंचने के बाद भगवती अम्मन मंदिर में प्रार्थना और पूजा–अर्चना की। बता दें, आम चुनाव का प्रचार थमने के बाद पीएम मोदी हर बार आध ात्मिक यात्रा पर जाते हैं और 2019 के चुनाव प्रचार के बाद वे केदारनाथ गए थे और साल 2014 में वे शिवाजी महाराज से संबंधित प्रतापगढ़ गए थे।

यहीं उन्हें भारत माता के हुए थे दर्शन : भारत दर्शन के दौरान विवेकानंद ने आम लोगों की तकलीफ, दर्द, गरीबी, आत्म सम्मान और शिक्षा की कमी को नजदीक से जाना था।

पुणे पोर्श केस में नाबालिग आरोपी की मां गिरफ्तार

बेटे से ब्लड सैंपल बदलने का आरोप, पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की

पुणे, एजेंसी। पुणे पोर्श कार केस में नाबालिग आरोपी की मां शिवानी अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने शनिवार (1 जून) को बताया कि महिला को देर रात अरेस्ट किया गया है। शिवानी पिछले कुछ दिनों से घर से गायब थीं। उन पर बेटे का ब्लड सैंपल

बदलवाने के लिए अपना ब्लड सैंपल देने और डॉक्टरों को पैसे देने का आरोप है। पुलिस ने कोर्ट में बताया था कि नाबालिग आरोपी का ब्लड सैंपल किसी महिला के सैंपल से बदला गया था, ताकि ये दिखाया जा सके कि घटना के वक्त वह नशे में नहीं था। यह महिला और कोई नहीं, आरोपी की मां ही थी। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 18–19 मई की रात 17 साल 8 महीने के एक लड़के ने आईटी सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक–युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था।

महाराष्ट्र के सीएम ने गहन जांच का दिया आश्वासन

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 19 मई को पुणे पोर्श दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है और वादा किया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना में मारे गए आईटी पेशेवर अश्विनी कोष्टा के पिता सुरेश कोष्टा ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा जबलपुर भेजे गए एक विशेष कर्तव्य अधिकारी ने सीएम शिंदे के साथ फोन पर बातचीत की सुविधा प्रदान की। मध्य प्रदेश के रहने वाले 24 वर्षीय आईटी पेशेवर

अश्विनी कोष्टा और अनीश अवधि ाया की 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर में 17 वर्षीय नशे में धुत लड़के द्वारा कथित तौर पर चलाई जा रही तेज रफ्तार पोर्श कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। महाराष्ट्र के दूसरे सबसे बड़े शहर में एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ–साथ नाबालिग को कथित तौर पर शामिल करने के लिए बड़े पैमाने पर लीपापोती करने के बाद के खुलासे ने राष्ट्रीय स्तर पर आक्रोश पैदा कर दिया।

पंजाब में कांग्रेस–भाजपा और आप के वर्कर भिड़े

पंजाब, एजेंसी। पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। दोपहर 3 बजे तक 46.38 प्रतिशत मतदान हुआ है। वोटिंग के बीच कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेता भिड़ गए। जालंधर में तो कांग्रेस के पोलिंग एजेंट का सिर फोड़ दिया गया। आरोप है कि आप के कार्यकर्ताओं ने सरिए से सिर पर वार किया। यहां कांग्रेस और भाजपा नेताओं के बीच भी ध ाक्कामुक्की हुई। वहीं लुधियाना में भी पोलिंग बूथ पर हंगामा हुआ। कांग्रेस के पोलिंग एजेंट का आरोप है कि आप के उम्मीदवार पराशर पप्पी ने अपने समर्थकों के साथ उसे घेरा। इस पर कांग्रेस के प्रधान और उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग मौके पर पहुंचे। इसके बाद वह पराशर के घर गए। फिरोजपुर में बहुजन समाज पार्टी (BSP) के उम्मीदवार सुरेंद्र कंबोज पर एफआईआर दर्ज हो गई। कंबोज ने वोट डालते हुए वीडियो बनवाई थी। जिसे सोशल मीडिया पर वायरल भी किया। इस पर प्रशासन ने कार्रवाई की। अमृतसर के अजनाला विध ानसभा के बूथ नंबर 100 में वोटिंग मशीन खराब हो गई। इससे लोग भड़क गए और उन्होंने हंगामा कर दिया। फरीदकोट में मतदान केंद्र पर वोट देने आए कुछ लोगों की महिला ठस्र से बहस हो गई। जिसके बाद महिला बेहोश हो गई और गिर गई।

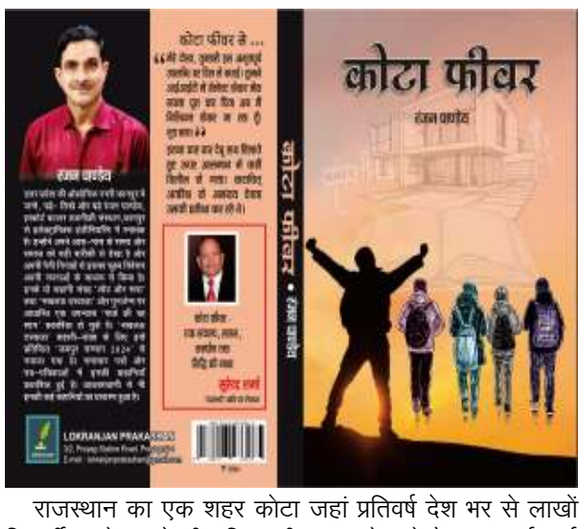

राजस्थान का एक शहर कोटा जहां प्रतिवर्ष देश भर से लाखों विद्यार्थी अपने सपनो की मंजिल की तलाश में आते हैं। यहां आई आई टी प्रवेश परीक्षा की तैयारी करने आये चार किशोरों को केंद्र बिंदु बनाकर मैंने ष कोटा फीवरष उपन्यास लिखा है। इस उपन्यास के बारे में पद्मश्री कवि और लेखक सुरेंद्र शर्मा जी लिखते हैं कि यह उपन्यास संकल्प,साहस,समर्पण तथा सिद्धि की गाथा है। इसमे पाठक कस्बाई जीवन की विवशता,माता–पिता की संतान के प्रति अपेक्षाएं,छात्र जीवन की बेतकल्लुफ जीवन शैली की झलक देखने के साथ किशोर मन की हिलोरें मार रही प्रेम तरंगों के भी गवाह बनते हैं।

उपन्यास शीघ्र ही अमेजन पर उपलब्ध होगा इसके अतिरिक्त पाठक प्रकाशन से भी इसे सीधे मंगा सकते हैं।

प्रयागराज में गर्मी और लू बनी आफत, 24 घंटे में 15 लोगों की मौत से मचा हड़कंप, भट्ठी की तरह धधकने लगी है धरती

प्रयागराज। प्रचंड गर्मी राहगीरों व ग्रामीण क्षेत्र में श्रमिकों की जान लेने लगी है। शुक्रवार को ट्रक ड्राइवर समेत अलग–अलग क्षेत्रों में पांच लोगों की मौत हो गई। इन्हें मिलाकर बीते 24 घंटे में 15 लोगों की जान चली गई। लगभग सभी मामलों में स्वजन की ओर से कहा गया है कि मौतें लू लगने से हुईं, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने फिलहाल इन्कार किया है। शुक्रवार को हंडिया तहसील क्षेत्र में बसुपुर गांव के पास 42 वर्षीय ट्रक ड्राइवर अर्जुन कुमार को चक्कर आ गया। ग्राम झिरिया सोहागी (मप्र) निवासी अर्जुन कुमार, वाराणसी से ट्रक लेकर आ रहा था। ढाबे में प्रवेश करते ही वह बेहोश हो गया। 108 एंबुलेंस कर्मी उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां से एसआरएन ला रहे थे।हनुमानगंज के आसपास अर्जुन की मौत हो गई। अर्जुन के साले शंकरगढ़ निवासी अनूप कुमार और अन्य स्वजन ने इसे लू से मौत माना और पोस्टमार्टम कराए बिना शव ले गए। हंडिया प्रतिनिधि के अनुसार मजरे महुआतर गांव निवासी 45 वर्षीय नानबाबू पुत्र रामअधार को

गुरुवार को मजदूरी करते समय लू लग गई। शुक्रवार सुबह बिस्तर पर वह मृत अवस्था में मिला। ग्राम बिगहिया निवासी 80 वर्षीय प्रेम बहादुर सिंह पुत्र स्व. बजरंगी सिंह, पृथ्वीपुर गांव निवासी 34 वर्षीय आत्मा राम त्रिपाठी उर्फ पप्पू पुत्र बलराम त्रिपाठी, सरायममरेज क्षेत्र के कौड़ी गांव निवासी 90 वर्षीय रामकिशोर मिश्र, बमैला भिडियूरा गांव निवासी 80 वर्षीय चमेला देवी पत्नी शिवअचल की गुरुवार को मौत हो गई। इसी प्रकार नैनी थाना वाले मार्ग पर शुक्रवार सुबह एक अधेड़ का शव पड़ा मिला। पुलिस कर्मियों ने प्रथम दृष्टया माना कि मौत गर्मी से हुई। इसके अलावा नैनी जंक्शन पर गुरुवार की रात झांसी पैसेंजर ट्रेन के शौचालय में एक अधेड़ का शव पाया गया। माना जा रहा है कि तेज गर्मी उसकी मौत की वजह बनी। जीआरपी चौकी प्रभारी वीरेंद्र प्रसाद सरोज ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 55 साल है। फाफामऊ प्रतिनिधि के अनुसार प्रतापगढ़ मार्ग पर एक घर में 65 वर्षीय त्रिवेणी दत्त मिश्रा पुत्र स्व. गोपीनाथ मिश्रा, शुक्रवार को मृतावस्था में मिले। ग्राम नगरहन का पूरा थाना बाघराय, प्रतापगढ़ निवासी त्रिवेणी दत्त सेना से सेवानिवृत्त थे और करीब 15 साल से सुभाष यादव के मकान में किराये पर अकेले रह रहे थे। फाफामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार गौतम का कहना है कि मौत गर्मी की वजह से प्रतीत हो रही है। इसी प्रकार शिवराजपुर में एक कंपनी के कर्मचारी 47 वर्षीय अजय यादव, को शुक्रवार को चक्कर आया और पल भर में बेहोश हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। नगर क्षेत्र के मोहत्सिमगंज निवासी बाबूलाल का पुत्र अजय, किसी सामान की डिलेवरी लेने शिवराजपुर गया था। वहीं नगर पंचायत के पुरानी बाजार में रहने वाली 75 वर्षीय रामसखी पत्नी स्व. शंकर लाल वर्मा की मौत हो गई। स्वजन के अनुसार रामसखी को लू लग गई थी। इसी क्रम में जोकनई ग्राम पंचायत की 65 वर्षीय महिला राजपति पत्नी स्व. राम अभिलाष, गुरुवार को घर में कुछ काम कर रही थी। अचानक वह बेहोश हो गई। बेटे भगवती ने बताया कि स्थानीय डाक्टर ने उन्हें एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। यहां एसआरएन में देर रात मौत हो गई। उधर कोरांव स्थित समलीपुर ग्राम पंचायत के अतरैला मजरा निवासी 77 वर्षीय केशव प्रसाद शुक्ल पुत्र हवलदार शुक्रवार की दोपहर लघुशंका करने गए थे। घर से बाहर जाते ही लू लग गई। वहीं बेहोश हो गए। चिकित्सक के पास ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। इसी प्रकार जसरा के पचखरा गांव के समरबहादुर का 30 वर्षीय पुत्र पुष्पराज सिंह पत्नी के साथ ससुराल कौशांबी गया था। वहीं पर लू लगी। अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। सीएमओ डा. आशू पांडेय ने कहा कि जिस तरह से लोगों की मौत की सूचनाएं मीडिया के माध्यम से मिल रही हैं उसे दूसरे दिन जिला प्रशासन से लिखित रूप से प्राप्त होने पर संबंधित अस्पताल के अधीक्षक से पता कराते हैं। पोस्टमार्टम न होने की स्थिति में नहीं कहा जा सकता कि मौत लू लगने से हुई या किसी अन्य कारण से।

पूर्व सरपंच की मौत : हनुमानपुर धरवारा के पूर्व सरपंच 61 वर्षीय नंदलाल द्विवेदी की तबीयत शुक्रवार को अचानक खराब हो गई। बेटे प्रकाश नारायण ने बताया कि नंदलाल को लू लग गई थी। एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद शहर ले जाते समय रास्ते में नंदलाल की मौत हो गई।

प्रयागराज के अस्पतालों में बनाया गया कोल्ड रूम

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी डॉक्टरों की छुट्टी निरस्त, सीएमओ ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

प्रयागराज । प्रयागराज में भीषण गर्मी और नौतपा का कहर जारी है। हीट स्ट्रोक वाले मरीजों के बेहतर इलाज पर फोकस किया जा रहा है। सीएमओ (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) डॉ. आशु पांडेय की ओर से सभी अस्पताल के अधीक्षकों को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। शासन के निर्देश पर जनपद के सभी सरकारी अस्पतालों में एक कोल्ड रूम बनाया गया है ताकि जो गर्मी व लू की चपेट वाले मरीज आएं उन्हें तत्काल उसमें रखा जाए और इलाज शुरू किया जाए। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व जनपद के सरकारी अस्पतालों में में तैनात डॉक्टरों को कोई अवकाश नहीं दिया जा रहा है। सीएमओ डॉ. आशु पांडेय ने बताया कि आमजन की सहूलियत को देखते हुए ऑफिस में कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां कॉल करके लू या गर्मी से पीड़ित मरीजों के इलाज संबंधित जानकारी ली जा सकती है। हेल्पलाइन नंबर 0532–2644644 है।

प्रयागराज में 160 लोग हीट स्ट्रोक की चपेट में

सीएमओ डॉ. पांडेय ने बताया कि जनपद में 31 मई तक 160 लोग हीट स्ट्रोक की चपेट में आए हैं। अभी तक ऐसी पुष्टि नहीं हुई है कि कोई गर्मी और हीट स्ट्रोक की चपेट में आने से मौत हुई है। उन्होंने बताया कि 108 एंबुलेंस सक्रिय हैं। उन्होंने आह्वान किया है कि यदि किसी को भी धूप में गिरते हुए या अचेत होते देखते हैं तो इसके लिए 108 पर कॉल कर एंबुलेंस को सूचित कर सकते हैं। ताकि उसे समय रहते नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जा सके और उसकी जान बचाई जा सकी। सभी एंबुलेंस में ओआरएस, दवाएं आदि रखी गई हैं ताकि गर्मी की चपेट में आने वाले मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने के पहले ही उसे प्राथमिक राहत दिए जा सकें।

फूलपुर में हीट स्ट्रोक से 2 की मौत

साधु का नहर किनारे मिला शव, प्रयागराज– जौनपुर राजमार्ग पर दुकान में पड़ा मिला दूसरा व्यक्ति

फूलपुर, प्रयागराज। फूलपुर के चिरौड़ा में शारदा सहायक खंड–39 नहर के किनारे साधु का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने

बताया कि साधु को नहर की तरफ जाते लोगों ने देखा था। सूचना मिलने पर इफ्को चौकी इंचार्ज चंदन सरोज मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक साधु के शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। गर्मी की वजह से मौत की आशंका है। दूसरी घटना फूलपुर के पूरे फौजी शाह गांव के रहने वाले परमानंद विश्वकर्मा (52) जो सुबह करीब 8 बजे साइकिल से कहीं जाने के लिए निकले। देर तक जब वह घर नहीं लौटे तो उनकी खोजबीन शुरू हुई। सुबह फेसबुक पर उनकी मौत की जानकारी मिली तो रोते–बिलखते परिजन पहुंचे।

पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा : इफ्को पुलिस चौकी के पास प्रयागराज–जौनपुर राजमार्ग के किनारे एक दुकान के बरामदे में परमानंद का शव पड़ा मिला। आशंका है कि गर्मी की वजह से उनकी जान गई है। पुलिस ने उनके शव को भी पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

क्यूआर कोड स्कैन करके आरक्षित टिकट का भी कर सकेंगे भुगतान, रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को बनाया ये प्लान

प्रयागराज। आरक्षण केंद्रों पर भी क्यूआर कोड स्कैन करके रिजर्वेशन टिकट का भुगतान किया जा सकेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यह सुविधा पहले प्रयागराज, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, फतेहपुर, झांसी, मिर्जापुर, इटावा आदि स्टेशनों के आरक्षण काउंटर पर मिलेगी। डिजिटल इंडिया विजन को बढ़ावा देने के लिए रेलवे कैशलेस भुगतान पर जोर दे रहा है। बीते कुछ माह से उत्तर मध्य रेलवे ने अपने सभी

प्रमुख स्टेशनों पर जनरल टिकट खरीदने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट काउंटर पर क्यूआर कोड लगाया है। इसकी मदद से यात्री टिकट का भुगतान क्यआर कोड स्कैन करके कर भी रहे हैं। हालांकि, यह सुविधा अभी रिजर्वेशन टिकट खरीदने वाले काउंटर पर नहीं है। लेकिन,अब यह सुविधा रिजर्वेशन काउंटर पर भी दी जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज समेत देशभर के सभी 68 रेल मंडलों के स्टेशनों के आरक्षण काउंटर पर यात्रियों को क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा वैकल्पिक तौर पर दी जाएगी। प्रयागराज मंडल में इसकी तैयारी शुरू हो गई है। वर्तमान समय रेलवे के आरक्षण काउंटर पर कैश और कार्ड से भुगतान की सुविधा है। अब एनसीआर के प्रयागराज, झांसी एवं आगरा मंडल अपने रिजर्वेशन काउंटरों पर इस सुविधा देगा। पहले चरण में एनसीआर के बड़े स्टेशनों के आरक्षण काउंटर में दी जाएगी। इन स्टेशनों में प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल , आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन, अलीगढ़ जंक्शन, इटावा, झांसी, ग्वालियर, मिर्जापुर आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

फुटकर की समस्या से भी मिलेगी निजात : आरक्षण काउंटर पर लंबी कतार लगना आम बात है। कई बार यात्री के पास फुटकर पैसे नहीं होते। इससे काफी समस्या भी आती है। क्यूआर कोड स्कैन करने का विकल्प देने से फुटकर का झंझट भी खत्म हो जाएगा। यूपीआई के जरिये डिजिटल पेमेंट से लोगों को सहूलियत मिलेगी।

इसके साथ ही टिकट काउंटर पर मौजूद कर्मचारी का कैश मिलाने में लगने वाले समय की भी बचत होगी। इस बारे में उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु शेखर उपाध्याय का कहना है कि जनरल टिकट के बाद अब आरक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों को क्यूआर कोड के जरिये भुगतान की सुविधा दी जानी है। इसकी तैयारी चल रही है।

6वीं की छात्रा ने 17 मिनट में किया यमुना पार

प्रयागराज में 12 साल की बच्ची ने किया कमाल, रिकॉर्ड को दावा पेश करेगी

प्रयागराज। प्रयागराज में क्लास 6 में पढ़ने वाली शान्वी सोनकर ने कमाल कर दिया। मुंडेरा की रहने वाली महज 12 साल की शान्वी नें यमुना नदी को मात्र 17 मिनट में तैरकर पार कर लिया। शान्वी गल्स हाई स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा है। उसकी इस उपल्ब्धि पर शहरवासी गर्व कर रहे हैं। परिवार और कॉलेज के लोग गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड के लिए डेटा, वीडियो, फोटो भेज रहे हैं। स्कूल में गर्मी की छुट्टियां होने पर शान्वी नें तैराकी सीखने के लिए स्विमिंग क्लब में ज्वाइन किया। वह कहती है कि महज एक हफ्ते की ट्रेनिंग के बाद ही उसने यमुना नदी को सिर्फ 17 मिनट में तैरकर पार कर लिया। शान्वी नें मीरापुर के बरगद घाट से तैरना शुरु किया और नैनी की ओर सिंधु सागर घाट ककरा घाट तक तैरकर पूरा किया।

सुरक्षा, सच और रिकॉर्डिंग को नाव से साथ रहा परिवार

शान्वी जब यमुना नदी तैरकर पार करने लगी तो साथ लगी नाव से पिता संजय सोनकर, मां सुनीता सोनकर, पंकज सिंह, निवेदिता सिंह, आलोक वर्मा, संदीप गुप्ता, पर्मेन्द्र विश्वकर्मा चलते रहे। नाव पर मौजूद अन्य लोग तालियां बजाकर शान्वी को हौसला देते रहे। जानकारों का कहना है कि यमुना नदी की लंबाई लगभग 600 मीटर व गहराई लगभग 25 फीट है। प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद नें बताया कि वो हर साल कमला निषाद एवं लिम्का बुक आफ रिकार्ड होल्डर मानस निषाद के सहयोग से सैकड़ो बच्चो को स्विमिंग क्लब के माध्यम से मीरापुर के बरगद घाट पर तैराकी का प्रशिक्षण देते है। इस वर्ष से क्लब के माध्यम से खेलो इंडिया को बढ़ावा देने के लिए बच्चों तैराकी सिखा रहे हैं। शान्वी के हौसले बुलंद हैं। वह इस उपलब्धि पर काफी खुश है।

स्वीडन में पढ़ने वाले इंजीनियरिंग छात्र पर हमला

प्रयागराज में देर रात मारपीट, विदेश में पढ़ने की खुन्नस में चचेरे भाइयों ने पीटा

प्रयागराज। विदेश में पढ़ाई करने वाले एक इंजीनियरिंग छात्र को देर रात जमकर पीटा गया। मारपीट करने वाले उसके चचेरे भाई ही हैं। आरोप है कि विदेश में पढ़ने की वजह से उससे खुन्नस खाए रहते हैं। शिवकुटी पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। शिवकुटी थाना क्षेत्र के पूरा गड़ेरिया के रहने वाले जितेंद्र सिंह ने

पुलिस को तहरीर दी है कि उनका बेटा कार्तिकेय सिंह स्वीडन (यूरोप) में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करता है। इन दिनों घर आया है। वह सामान लेने दुकान पर जा रहा था तभी घर के भूतल में रहने वाले उनके भतीजे और किराएदार ने उसे रोक लिया। बोले विदेश में पढ़ते हो तो खुद को बड़ा टाप समझते हो। इसी बात पर उसे मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। पड़ोसियों ने किसी तरह बीच बचाव कर मामला शांत कराया। इस पर भी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी है। तहरीर पर शिवकुटी पुलिस ने हर्ष सिंह, आर्या सिंह, पूनम सिंह, मयंक सिंह और किराएदार प्रशांत के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

1075 करोड़ के घोटाले में तीनों एजेंसियों को फटकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घोटाले पर नाराजगी जताई, कहा– ईडी पर भरोसा नहीं

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1075 करोड़ से अधिक के शाइन सिटी कंपनी सहित 60 से अधिक कंपनियों के फ्राड मामले में दर्ज 284 एफआईआर की विवेचना कर रही तीनों जांच एजेंसियों को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि डेढ़ साल तक कुछ भी नहीं किया गया। निवेशकों के फंसे धन की बरामदगी क्यों नहीं की गई। अभियुक्तों पर चार्जशीट से हल नहीं निकलने वाला। मुख्य आरोपी एजेंसियों की पकड़ से दूर हैं। बैंकों के जरिए 147 खातो में लेन–देन के बावजूद उनकी जांच नहीं की गई।

एसएफआईओ खानापूरी कर रही है.... : कोर्ट ने कहा ईडी पर उन्हें भरोसा नहीं रहा और ईडी डायरेक्टर से हलफनामा मांगा है कि विवेचना अप टू मार्क क्यों नहीं है। बैंकों के जरिए ट्रांजैक्शन हो रहे हैं और ई डी आंख मूंदे बैठी है।खाता धारक अपराधी पकड़े नहीं जा रहे। याचिका की अगली सुनवाई 1 जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ तथा न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने श्रीराम राम की याचिका पर दिया है।

कंपनी बनाकर करोड़ों का घोटाला किया : मालूम हो कि अभियुक्तों ने अवैध रूप से एक वेब कंपनी बनाई और कई स्कीमें लांच की। निवेशकों के साथ धोखा होने पर एफआईआर दर्ज की गई और विवेचना लचर रही। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप पर कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। मुख्य अभियुक्त राशिद नसीम नेपाल में गिरफ्तारी के बाद छूटते ही दुबई भाग गया और वहीं से अपराध का संचालन कर रहा है। रेड कार्नर नोटिस के बाद भी पकड़ कर लाया नहीं जा सका। कोर्ट ने सीरियस फ्राड इंवेस्टीगेशन आफिस (एस एफ आई ओ) व ई डी को विवेचना सौंपी। प्रदेश की आर्थिक अपराध विंग भी विवेचना में जुटी है। सारे फ्राड 2018 से 2021तक हुए हैं। नवंबर 22 मे एस एफ आई ओ ने तीन माह व ई डी ने 40 दिन का समय मांगा। किंतु ठोस नतीजा नहीं आया। मुख्य अभियुक्त दुबई में बैठा राशिदध नसीम राहत फाउंडेशन व भाव्या ब्राडकास्टिंग कंपनी का ट्रस्टी है।इन कंपनियों की कोई जांच नहीं की गई। आर्थिक अपराध विंग ने नसीम की पत्नियों को नोटिस जारी कर शांत हो गई। कोर्ट ने 21 दिसंबर 22 को इस बात पर नाराजगी जताई थी कि अधिकारियों को अपराध का पता होने के बावजूद नसीम को दुबई में पासपोर्ट जारी कर दिया गया। जनवरी 23 मे पता चला कि जिस नसीम का एजेंसियां पता नहीं लगा पा रही,उससे कोर्ट में मौजूद एक महिला मिलकर वापस आ गई है। कोर्ट ने इसे दुखद स्थिति बताया। अधिवक्ता एस एन श्रीवास्तव ने कहा कि अभियुक्त अमिताभ श्रीवास्तव वाराणसी जेल में बंद था। बी वारंट पर लखनऊ लाया गया और इस दौरान मोहनलाल गंज में रजिस्ट्रार आफिस में जाकर 30 हजार वर्गमीटर जमीन पूर्व मंत्री को बैनामा किया। पुलिस की मिलीभगत के बिना ऐसा संभव नहीं था।ऋषभ राज निवेशक के अधिवक्ता ने दुबई का अखबार खलीज टाइम्स पेश कर बताया कि मुख्य अभियुक्त समारोहों में जा रहा है। इस पर कोर्ट नाराज हुई और अधिकारियों को तलब किया था।

उमंग में दिखी बच्चों का प्रतिभा

प्रयागराज। जगत तारन गोल्डेन जुबिली स्कूल में 9 दिवसीय समर कैंप श्उमंगश का आज शुक्रवार को समापन हो गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें निखारना और उन्हें प्रदर्शन योग्य बनाना था। कैंप में कक्षा 3 से 12 तक के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने कुछ नया सीखने की ललक लेकर पूर्ण समर्पण के साथ इसमें भाग लिया। इस कैंप में योगा, बास्केटबॉल, मार्शल आर्ट्स, आर्ट एंड क्राफ्ट, वॉल पेंटिंग, सिलाई–कढ़ाई, फायरलेस कुकिंग, बेकिंग, एनिमेशन, रोबोटिक्स, कथक, भरतनाट्यम आदि नृत्य शैलियों की शिक्षा दी गयी। इस अवसर पर श्रवींद्रालय प्रेक्षागृहश में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने कैंप में सीखी गई विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. फातिमा नूरी रहीं।

पढ़ाई के साथ खेलकूद भी जरूरी : बीएसए

बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने बच्चों की सुंदर प्रस्तुतियों, सधी हुई मुद्राओं, चित्रकला दक्षता, से अभिभूत होकर विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया जिससे कि वह शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें तथा उनका मन व मस्तिष्क भी सक्रिय रहे। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों और प्रतिभा से अभिभूत डॉ. फातिमा नूरी ने कहा कि बच्चों को बचपन में ही प्रतिभा को पहचानकर अभिभावकों व शिक्षकों को एक दूसरे के सहयोग से उन्हें आकार देना चाहिए जिससे कि वह भविष्य में अपने प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को सुंदर आकार दे सकें। विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजीव चंदा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

बच्चों की रूचि के अनुसार दिया गया प्रशिक्षण : प्रिंसिपल सुष्मिता कानूनगो ने बच्चों को व उनके शिक्षकों को उनकी सुंदर प्रस्तुतियों की बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस कैंप के माध्यम से बच्चों ने 9 दिनों में जो सीखा उसका आगे भी वह बेहतरीन प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि समर कैंप में बच्चों को उनकी रुचि व प्रतिभा के अनुसार खेल और अन्य कलाओं में प्रशिक्षण दिया गया जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा को शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में निखारकर उन्हें उचित मंच मिल सके तथा पढ़ाई के साथ–साथ अपनी रुचि के अनुसार अपना बेहतर प्रदर्शन कर सकें। विद्यालय के साथ सहयोग करने के लिए उन्होंने अभिभावकों को भी अपना धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रबंधन समिति के पदाधिकारीगण अरिंदम घोष, सुब्रतो सेन आदि रहे।

क्या अंतरधार्मिक शादी के लिए धर्म बदलना है जरूरी?

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि निश्चित ही शादी का करार अवैध है, परंतु विशेष विवाह अधिनियम किसी को बिना धर्म बदले विवाह बंधन में बंधने से प्रतिबंधित नहीं करता। विपरीत धर्म में आस्था रखने वाले जोड़े विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी कर सकते हैं।

धर्म बदलना जरूरी नहीं : धर्म बदलना जरूरी नहीं है। कोर्ट ने पुलिस को विपक्षी से याचियों की सुरक्षा करने का निर्देश दिया है और अपनी सदाशयता दिखाने के लिए याचियों से विशेष विवाह कानून के तहत शादी कर दस्तावेज कोर्ट में दाखिल करने का आदेश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी।यह आदेश न्यायमूर्ति ज्योत्सना शर्मा ने सुनीता रानी व अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचियों का कहना है कि दोनों एक–दूसरे से प्यार करते हैं। पति–पत्नी की तरह लिव इन रिलेशन में रह रहे हैं। दोनों बालिग हैं। वे बिना धर्म परिवर्तित किए विशेष विवाह कानून के तहत शादी करना चाहते हैं। विपक्षी से उनकी सुरक्षा को खतरा है। बिना सुरक्षा वे स्वतंत्र जीवन नहीं बिता सकते। इसलिए उन्हें सुरक्षा दी जाए। वे धर्म परिवर्तन नहीं करेंगे। बिना धर्म बदले शादी कर पति–पत्नी को रूप में रहना चाहते हैं। सरकारी वकील ने कहा कि याचीगण ने शादी का करार किया है, जिसे कानूनी मान्यता नहीं है। इसलिए उन्हें सुरक्षा नहीं दी जा सकती।

संक्षिप्त

मारुति सुजुकी की बिक्री मई में दो प्रतिशत घटकर 1,74,551 इकाई पर

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की वाहन बिक्री मई में सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर 1,74,551 इकाई रही है। पिछले साल समान माह में कंपनी ने वितरकों को 1,78,083 वाहनों की आपूर्ति की थी। एमएसआई ने शनिवार को बयान में कहा कि घरेलू बाजार में यात्री वाहन खंड में उसकी बिक्री कुछ बढ़कर 1,44,002 इकाई रही, जो पिछले साल मई में 1,43,708 इकाई थी। कंपनी की ऑल्टो और एस–प्रेसो जैसी छोटी कारों की बिक्री मई में घटकर 9,902 इकाई रही, जो पिछले साल मई में 12,236 इकाई थी। कॉम्पेक्ट कारों– बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगन आर की बिक्री भी मई में घटकर 68,206 इकाई रह गई, जो पिछले साल इसी महीने में 71,419 इकाई थी। बहुपयोगी वाहनों– ब्रेजा, ग्रैंड विटारा, एर्टिगा, एस–क्रॉस और एक्सएल6 की बिक्री मई में बढ़कर 54,204 इकाई हो गई, जो मई, 2023 में 46,243 इकाई थी। वैन की बिक्री मई में घटकर 10,960 इकाई रह गई, जो पिछले साल इसी महीने में 12,818 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री मई में 2,692 इकाई रही, जो पिछले साल मई में 2,888 इकाई थी। कंपनी का वाहन निर्यात मई में घटकर 17,367 इकाई रहा, जो पिछले साल इसी महीने में 26,477 इकाई था।

अर्थव्यवस्था के 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का मंच तैयार, खनन–निर्माण क्षेत्र ने बढ़ाई जीडीपी की रफ्तार

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2023–24 में घरेलू जीडीपी की वृद्धि दर मजबूती के साथ 8. 2 फीसदी पर पहुंच गई। इसकी प्रमुख वजह विनिर्माण, खनन और निर्माण क्षेत्र का शानदार प्रदर्शन है। मजबूत आर्थिक वृद्धि के दम पर अर्थव्यवस्था का आकार मार्च, 2024 अंत तक बढ़कर 3.5 लाख करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। अगले कुछ वर्षों में इसके 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का मंच तैयार हो चुका है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) वृद्धि 2023–24 की चौथी तिमाही में बढ़कर 8.9 फीसदी पहुंच गई। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 0.9 फीसदी रही थी। खनन खनन क्षेत्र की जीवीए वृद्धि 2.9 फीसदी से बढ़कर 4.3 फीसदी पहुंच गई। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि भी 7.4 फीसदी से बढ़कर 8.7 फीसदी पहुंच गई। हालांकि, कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 7.6 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी रह गई।

तीसरे कार्यकाल में भी वृद्धि जारी

जीडीपी का 2023–24 में 8.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ना उल्लेखनीय है। विकास की यह गति मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी जारी रहेगी। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 फीसदी की शानदार वृद्धि हुई, जो इस क्षेत्र के लिए मोदी सरकार के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। कई उच्च आवृत्ति वाले संकेतक बताते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

अर्थव्यवस्था का आकार रू 295.36 लाख करोड़

वर्तमान मूल्य पर जीडीपी का आकार 2023–24 में बढ़कर 295.36 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। यह 2022–23 के 269. 50 लाख करोड़ रुपये से 9.6 फीसदी ज्यादा है। वहीं, वास्तविक जीडीपी का आकार 2022–23 के 160.71 लाख करोड़ से बढ़कर 173.82 लाख करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। चौथी तिमाही में वर्तमान मूल्य पर जीडीपी का आकार 9.9 फीसदी बढ़कर 78.28 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। वास्तविक जीडीपी 7.8 फीसदी बढ़कर 47.24 लाख करोड़ रुपये पहुंच सकती है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह रू 23.36 लाख करोड़ रुपये

महालेखा नियंत्रक के आंकड़ों के मुताबिक, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023–24 में 23.36 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।घ्वहीं, सरकार का खर्च 44.42 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष में खर्च संशोधित अनुमान का 98.9 फीसदी रहा। राजस्व घाटा 2023–24 में जीडीपी का 2.6 फीसदी रहा।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 6.2 फीसदी, प्राकृतिक गैस और बिजली उत्पादन बेहतर होने से बढ़ी

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल, 2024 में बढ़कर 6.2 फीसदी पहुंच गई।घ मार्च में इन उद्योगों की वृद्धि दर 6 फीसदी और अप्रैल, 2023 में 4.6 फीसदी दर्ज की गई थी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली का उत्पादन बेहतर होने से बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बढ़ी है।घ्आंकड़ों से पता चलता है कि प्राकृतिक गैस की वृद्धि दर अप्रैल में 8.6 फीसदी रही। एक साल पहले की समान अवधि में यह 6.1 फीसदी रही थी।घरिफाइनरी उत्पादों की वृद्धि दर 3.6 फीसदी से बढ़कर 3.9 फीसदी पहुंच गई। इस दौरान बिजली क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 9. 4 फीसदी पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में क्षेत्र की वृद्धि दर 7.1 फीसदी रही थी।घ्हालांकि, कोयला उद्योग की वृद्धि दर नरम पड़कर 7.5 फीसदी रह गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 9.1 फीसदी थी। इस्पात उद्योग की वृद्धि दर 16.6 फीसदी से घटकर 7.1 फीसदी पर आ गई।घ्सीमेंट उद्योग की वृद्धि दर साल भर पहले के 12.4 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी के स्तर पर आघ्गई। सीमेंट क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर भी एक साल पहले के 9 फीसदी से घटकर 0.6 फीसदी रह गई।

विराट कोहली को किस नंबर पर करनी चाहिए बल्लेबाजी, सुरेश रैना ने बताई पोजिशन

विराट कोहली ने आईपीएल 2024 में आरसीबी के लिए खूब रन बनाए और इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे तो इस स्थिति में किया टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उन्हें भारत के लिए ओपन करना चाहिए या फिर उन्हें तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करनी चाहिए। इसका जवाब देते हुए रैन ने कहा कि ये आपके काफी अच्छा सवाल किया है क्योंकि तपस्वी जायसवाल वहां हैं और वो भी खेलेंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पूरी तैयारी के साथ गई है और टीम के खिलाड़ियों ने आईपीएल 2024 के जरिए शानदार तैयारी की है। इस समय वेस्टइंडीज और अमेरिका में भारतीय टीम के खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ी समस्या कंडीशन होगी। टीम इंडिया के ज्यादातर खिलाड़ियों ने आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है और इसमें विराट कोहली सबसे ऊपर हैं। कोहली ने इस सीजन में अपनी टीम आरसीबी के लिए जमकर रन बनाए हैं। इस सीजन में ऑरेंज कैप जीतने वाली कोहली को टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ओपनिंग करनी चाहिए या फिर उन्हें तीसरे नंबर पर ही खेलना चाहिए। इसके बारे में दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेशन रैना ने बताया। सुरेश रैना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, विराट कोहली ने आईपीएल 2024 में आरसीबी के लिए खूब रन बनाए और इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे तो इस स्थिति में किया टी20 वर्ल्ड कप 2024 में उन्हें भारत के लिए ओपन करना चाहिए या फिर उन्हें तीसरे नंबर पर ही बल्लेबाजी करनी चाहिए। इसका जवाब देते हुए रैन ने कहा कि ये आपके काफी अच्छा सवाल किया है क्योंकि तपस्वी जायसवाल वहां हैं और वो भी खेलेंगे। रैना ने आगे कहा कि जिस तरह से विराट कोहली ने ओपन किया है, लेकिन वो तीसरे नंबर पर आते हैं तो फिर आप सूर्यकुमार यादव को चौथे नंबर पर खिलाओगे, फिर ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे होंगे। मैं प्रेफर करूंगा कि विराट कोहली तीसरे नंबर पर ही खेलें, क्योंकि वहां विकेट स्लो होगा और खिलाड़ी ऐसा हो कि भागे। आपको वहां पर चेज भी करना होगा और विराट को रन मशीन बोलते हैं और चेज कोहली भी हैं। अगर ओपनिंग में पास लेफ्ट राइट का कांबिनेशन होगा तो गेंदबाजों को मुश्किल होगी। यशस्वी अभी युवा हैं और अच्छी लय में हैं तो जमकर रन बना सकते हैं और उसके बाद विराट कोहली हैं जिनके पास अपार अनुभव है और उसके बाद आपकी बल्लेबाजी लाइनअप शानदार है तो कोहली का तीसरे नंबर पर खेलना टीम इंडिया के हित में होगा।

आईपीएल में इम्पैक्ट खिलाड़ी का खुलासा टॉस के समय हो जाना चाहिए : सौरव गांगुली

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान और दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम को जारी रखने के पक्ष में हैं लेकिन चाहते हैं कि टीम अपने 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी का फैसला टॉस के समय ही करें। हाल में खत्म हुए आईपीएल सत्र के बाद 'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम काफी चर्चा में रहा क्योंकि इस चरण में आठ दफा 250 रन से ज्यादा का स्कोर बना। गांगुली ने कहा कि वह चाहते हैं कि आईपीएल के आगामी सत्र में मैदान की बाउंड्री और बढ़ा देनी चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''मुझे इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम पसंद है। आईपीएल में सिर्फ मैं एक चीज चाहता हूं कि इसके लिए मैदान थोड़े बड़े कर देने चाहिए। सीमारेखा को थोड़ा बढ़ा देना चाहिए।'' गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, ''यह शानदार टूर्नामेंट है। इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के साथ आप सिर्फ एक चीज कर सकते हो कि इसका फैसला टॉस से पहले हो जाये। टॉस से पहले खुलासा करने के लिए आपको कौशल और रणनीति की जरूरत होगी। लेकिन मैं इम्पैक्ट खिलाड़ी नियम के पक्ष में हूं।'' पृथ्वी साव का इस आईपीएल सत्र में प्रदर्शन इतना शानदार नहीं रहा लेकिन गांगुली का कहना है कि वह अब भी युवा है और छोटे प्रारूप के दाव पेच सीख रहा है। उन्होंने कहा, ''वह (साव) काफी युवा है। वह अभी 23 साल का ही है। वह अब भी सीख रहा है कि टी20 क्रिकेट कैसे खेला जाये। वह शानदार प्रतिभा का धनी है और बेहतर ही होगा। कभी कभार हम हर किसी से पहले ही काफी कुछ उम्मीद लगाने लगते हैं और पृथ्वी के कौशल को देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि वह अच्छा करेगा।'' गांगुली ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 2022 में कार दुर्घटना से पहले की तरह खेलना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''वह आईपीएल में हमारे लिए (दिल्ली कैपिटल्स) शानदार रहा इसलिये उसने जिस तरह से वापसी की, उसे देखकर खुश हूं। मैंने हमेशा ही कहा है कि वह विशेष खिलाड़ी है।

एक जून को चुनाव के दिन जनता को राहत, कम हुए एलपीजी सिलेंडर के दाम

देश भर में लोकसभा चुनाव के लिए अंतिम चरण में वोटिंग जारी है। मतदान पूरा होने के बाद 4 जून को फाइनल रिजल्ट आएंगे। चार्जिंग को आने वाले नतीजे से पहले ही महंगाई के मुंह से पर एक बड़ी राहत जनता को मिल गई है। 1 जून को एलपीजी सिलेंडर के दामों में कटौती की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कमी लेकर आई है। आईआईसीएल की वेबसाइट के अनुसार 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में गिरावट आई है। यह गिरावट दिल्ली मुंबई समेत कई शहरों में देखने को मिली है।

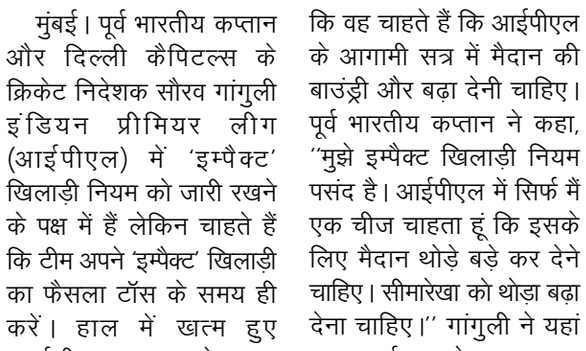

जानकारी के मुताबिक तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव किया है। गैस सिलेंडर के दाम 1 जून से दिल्ली में 69.50 रुपए, कोलकाता में 72 रुपए मुंबई में 69.50 रुपए और चेन्नई में 70.50 रुपए तक नीचे गिर गए हैं। बताते क्या लगातार तीसरा महीना है जब कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में कटौती की गई है। इससे पहले अप्रैल और मैं में भी कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कम किए गए थे। मैं के महीने में तेल मार्केटिंग कंपनी ने 20 रुपए तक सिलेंडर के दाम घटाए किए थे। बता दे की कमर्शियल गैस सिलेंडर के नए दामों के अनुसार अब दिल्ली में इसकी कीमत 1745.50 रुपए से कम होकर 1676 हो गई है। कोलकाता में 1859 रुपए की जगह इसकी कीमत 1787 रुपए पर पहुंच गई है। मुंबई में एक कमर्शियल गैस सिलेंडर खरीदने के लिए 1698.50 रुपए की जगह 1629 रुपए खर्च करने होंगे। चेन्नई में 1911 रुपए की जगह है 1840.50 रुपए खर्च करने होंगे। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम घटने से आम जनता की जेब पर थोड़ी राहत मिल सकती है। वहीं घरों में इस्तेमाल होने वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आइओसीएल की वेबसाइट की माने तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 803 रुपए है।

युवा तेज गेंदबाजों को बहुत अधिक सीख देने की कोशिश नहीं करता : जसप्रीत बुमराह

बुमराह ने टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा,'' आप बहुत अधिक सिखाने की कोशिश नहीं करते। यह कुछ ऐसा है जो मैंने सीखा है। जब भी कोई मेरे के पास मदद के लिए आता है तो मैं उसे सवाल पूछने देता हूं क्योंकि मैं बहुत अधिक जानकारी देना अच्छा नहीं समझता हूं।''

न्यूयॉर्क। भारतीय तेज गेंदबाजों की नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक माने जाने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वह युवा खिलाड़ियों को बहुत अधिक सिखाने की कोशिश नहीं करते और जब उनसे पूछा जाता है तभी मदद करते हैं क्योंकि वह उन पर किसी तरह का बोझ नहीं डालना चाहते हैं। भारत के लिए टी20 विश्व कप के अभियान में 30 वर्षीय बुमराह की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। माना जा रहा है कि वह मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह जैसे कम अनुभवी तेज गेंदबाजों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाएंगे। बुमराह ने टी20 विश्व कप के लिए आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट से कहा,'' आप बहुत अधिक सिखाने की कोशिश नहीं करते। यह कुछ ऐसा है जो मैंने सीखा है। जब भी कोई मेरे के पास मदद के लिए आता है तो मैं उसे सवाल पूछने देता हूं क्योंकि मैं बहुत अधिक जानकारी देना अच्छा नहीं समझता हूं।'' बुमराह ने कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अधिक जानकारी का बोझ लिए बिना अपना मार्ग प्रशस्त करना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा,''ऐसा नहीं है कि वह किस्मत के सहारे यहां तक पहुंच गए हैं। मैंने अपने अनुभव से जो कुछ सीखा है उसी के बारे में उन्हें जानकारी देता हूं। लेकिन मैं उन पर जानकारी का बहुत अधिक बोझ नहीं डालना चाहता हूं क्योंकि यह भी आपकी यात्रा का एक हिस्सा होता है। आपको आगे बढ़ने के लिए अपने तरीके और समाधान ढूंढने होते हैं।'' चोटिल होने के कारण बुमराह 2022 में टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाए थे लेकिन उन्होंने वापसी करने के बाद 2023 में वनडे विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा,''कुछ चीजें मेरे अनुसार होगी तो कुछ चीजें मेरे अनुसार नहीं होंगी। यह सभी चीजें मेरी प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। इसलिए मुझे अब एहसास हुआ है कि मैंने खेलना शुरू कर दिया है क्योंकि मैं इस खेल को पसंद करता हूं तथा परिणाम की बजाय इन चीजों पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

एसबीआई ने कस्टमर से भिड़कर डिलीट करवाई फोटो, शिकायत के बाद लिया एक्शन

लोग अक्सर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में जाते हैं तो कई तरह की शिकायतें करते रहे है। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई में फोटोज खींचना ब्रांच के अंदर सख्त रुप से मना है। सोशल मीडिया के जमाने में लोग कुछ भी करते हैं वो तत्काल वायरल हो जाता है। ऐसा ही एक पोस्ट वायरल हुआ है, जिससे एसबीआई की इमेज को धक्का लगा है। एसबीआई की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई जो बैंक को नागवार गुजरी। एसबीआई ने नियमों का उल्लंघन का हवाला देते हुए कस्टमर से ये फोटो भी डिलीट करवाई। दरअसल मामला राजस्थान का है, जहां ललित सोलंकी नाम के शख्स ने एसबीआई ब्रांच में स्टाफ की खाली कुर्सियों की तस्वीर पोस्ट की है। उसने दावा किया कि ये फोटो एसबीआई ब्रांच में दोपहर तीन बजे ली गई है, जब सारा स्टाफ एक साथ लंच पर चला गया है। एक तरफ बैंक ये दावा करता है कि वहां लंच ब्रेक नहीं होता है दूसरी तरफ पूरा स्टाफ एक साथ लंच करने गया है। पूरी दुनिया बदल सकती है मगर एसबीआई की सर्विस नहीं।

फोटो देखकर भड़का एसबीआई

सोशल मीडिया पर एक फोटो अपलोड किया गया। बैंक ने इस फोटो को देखकर लिखा कि इस फोटो को तत्काल डिलीट किया जाए। आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है मगर सुरक्षा कारणों से ब्रांच में फोटो और वीडियो बनाने की इजाजत नहीं है। अगर फोटो का गलत उपयोग हुआ इसका जिम्मेदार यूजर को बताया गया है।

यूजर्स ने पूछा कब होता है एसबीआई में लंच ब्रेक

सोशल मीडिया पर ललित सोलंकी और एसबीआई की तत्काल भिड़ंत हुई। सोशल मीडिया पर लोग इस पोस्ट को देखकर काफी कमेंट भी कर रहे है। एसबीआई के असल में होने वाले लंच ब्रेक के बारे में जानने के लिए भी ग्राहक काफी उत्सुक रहे है। एसबीआई का कहना है कि ब्रांच में लंच ब्रेक के लिए निर्धारित कोई समय नहीं है। स्टाफ अलग अलग समय पर भोजन करता है ताकि यूजर्स को असुविधा ना हो।

सम्पादकीय.....

आशा की खिड़की

निश्चय ही इसे भारत व पाक के संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण कहा जा सकता है। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री तथा वर्तमान सत्ता की धुरी नवाज शरीफ ने अब पच्चीस साल बाद माना है कि उनके देश ने 1999 के लाहौर घोषणापत्र का उल्लंघन किया था। निश्चित रूप से इस स्वीकारोक्ति ने एक बार फिर कारगिल युद्ध के गहरे जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। दरअसल, मंगलवार को सत्तारूढ़ पीएमएल–एन के अध्यक्ष पद की ताजपोशी के वक्त पार्टी की जनरल काउंसिल की बैठक में नवाज शरीफ ने यह बात कही। अपरोक्ष रूप से पाकिस्तान ने स्वीकार किया है कि भारत की पहल पर शुरू की गई शांति की पहल को इस घटनाक्रम ने पलीता लगाया था। यह एक हकीकत है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शांति प्रयासों व उनकी लाहौर यात्रा को कारगिल के घात से आघात लगा था। जिसके चलते 21 फरवरी 1999 को हस्ताक्षरित लाहौर घोषणा से क्षेत्र में शांति व स्थिरता की कोशिशों पर पानी फिर गया था। समझौते के कुछ ही महीने बाद पाक सेना के संरक्षण में पाक घुसपैठियों की कोशिश ने फिर एक युद्ध जैसा रूप ले लिया था। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शरीफ द्वारा पिछली गलती को स्वीकार करना क्या संबंधों में विश्वास बहाली का मार्ग प्रशस्त करना है या फिर कोई दुरभिसंधि की कोशिशें हैं? क्या वे पाक हुकमरानों को फिर से भारत के प्रति अपने दृष्टिकोण के पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रेरित कर रहे हैं? क्या शरीफ का नेतृत्व आत्मनिरीक्षण के जरिये दोनों देशों के संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की ईमानदार कोशिश कर रहा है? बहरहाल, भारत व पाक संबंधों की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर शरीफ का कबूलनामा व्यापक भू–राजनीतिक संदर्भों में महत्वपूर्ण पहल कही जा सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष 2019 के पुलवामा हमले के बाद दोनों देशों के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गये थे। जिसके बाद दोनों देशों ने अपने मिशनों का स्तर तक कम किया था। बहरहाल, अस्थिरता से घिरे इस क्षेत्र में नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी संबंधों में सुधार–सुलह के लिये एक नई खिड़की तो खोलती ही है। निश्चित रूप से वक्त का तकाजा है कि ऐतिहासिक कटुताओं को पार्श्व में रखकर कूटनीतिक रणनीतियों पर नये सिरे से विचार किया जाए। यह भी जरूरी है कि बातचीत के लिये नये रास्ते तलाशने हेतु इस मौके को अवसर में बदला जाए। भले ही पाकिस्तान आर्थिक व राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर स्थिति में हो, हमें भविष्य मे शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व की संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने का प्रयास करना चाहिए। शरीफ के बयान को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए कि फिलहाल पाकिस्तान में नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री हैं। साथ ही नवाज सत्तारूढ़ दल पीएमएल–एन के अध्यक्ष चुने गये हैं। कहीं न कहीं शरीफ के हालिया बयान का एक निष्कर्ष यह भी हो सकता है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकारें तो दोनों देशों के बेहतर संबंध बनाने के लिये प्रयत्नशील रहती हैं लेकिन ऐसी कोशिशों को पलीता लगाने का काम पाक सेना करती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत पर हुए तमाम बड़े आतंकवादी हमले बिना पाक सेना की ट्रेनिंग व मदद के संभव नहीं थे। आतंकवादियों को मिला परंपरागत सेना जैसा प्रशिक्षण ही भारतीय सेना व सुरक्षा बलों के लिए मुश्किलें पैदा करता रहा है। हाल–फिलहाल भी सेना परदे के पीछे से पाकिस्तान की सियासत को नियंत्रित करती रही है। हालांकि, भारत ने वर्ष 2014 के बाद भी पाक से संबंध सुधारने के प्रयास किये थे, लेकिन राजग सरकार का मानना रहा है कि आतंकवादियों पर सख्त नियंत्रण के बिना संबंध सामान्य बना पाना संभव नहीं है। पठानकोट व पुलवामा के हमलों ने यह दर्शाया कि पाक बात व घात के खेल को साथ–साथ चलाना चाहता है। ऐसे में जब भारतीय आम चुनाव की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, तो नया जनादेश पाने वाली सरकार ही दोनों देशों के संबंधों की दशा–दिशा तय करेगी।

गर्मी की मार से बेहाल आधा भारत

रोहित माहेश्वरी

तमतमाती गर्मी और भीषण लू की चपेट में आधा भारत है, लिहाजा मौसम भयावह हो गया है। करीब 50 शहरों में तापमान 46–47 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। राजस्थान के फलौदी में लगातार तीसरे दिन तापमान 49 डिग्री को पार कर गया। यह देश का सबसे ज्यादा गर्म इलाका रहा।

भारत का दो तिहाई हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है। कई शहरों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। इनमें दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, हैदराबाद और चंडीगढ़ शामिल हैं। यहां तक कि पुणे, जिसे हिल स्टेशन माना जाता है, वहां भी 27 मई को तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया। दक्षिण में भी स्थिति बेहतर नहीं है और तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। तमतमाती गर्मी और भीषण लू की चपेट में आधा भारत है, लिहाजा मौसम भयावह हो गया है। करीब 50 शहरों में तापमान 46–47 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। राजस्थान के फलौदी में लगातार तीसरे दिन तापमान 49 डिग्री को पार कर गया। यह देश का सबसे ज्यादा गर्म इलाका रहा। ये सामान्य तापमान नहीं हैं, क्योंकि एक हद के बाद गर्मी और लू के ये थपेड़े जानलेवा साबित हो सकते हैं। देश में एक तरफ चिलचिलाती गर्मी है, तो दूसरी ओर पश्चिमी तट पर 'रेलम तूफान' ने थपेड़े मारते हुए बहुत कुछ बर्बाद किया है। कई जानें भी गई हैं। तेज हवाएं चल रही हैं और खूब बारिश का आलम है। यह विरोधाभास एक ही देश के भीतर दिख रहा है। यही जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव है। दिल्ली ही नहीं, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई जैसे महानगरों में 'ताप प्रभाव और सूचकांक' स्पष्ट दिख रहा है। यह विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र की रपट का सारांश है। यहां पर कंकरीट या पक्का निर्माण बढ़ने के साथ ही हरित क्षेत्र पहले की तुलना में कम हुए हैं। इसके कारण रात के समय भी तापमान में अपेक्षित गिरावट नहीं आ रही है। गर्मी का ऐसा प्रचंड प्रभाव है कि सडकों पर दौड़ रहे वाहनों के टायर पिघल रहे हैं। नतीजतन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस उबलती गर्मी के मानवीय दुष्प्रभाव भी हैं। प्रख्यात पत्रिका 'लैंसेट' ने अध्ययन किया है कि यह मौसम मधुमेह, हृदय रोग, रक्तचाप और किडनी के मरीजों के लिए बेहद गंभीर दुष्प्रभावों वाला है। चिकित्सकों का मानना है कि लोगों को काम से बाहर जाना उनकी विवशता है, लिहाजा प्रचंड गर्मी से लोग 'डिहाइड्रेशन' का शिकार हो रहे हैं। उससे किडनी की कार्यक्षमता सीधे ही प्रभावित होती है। उससे कई और बीमारियां बढ़ सकती हैं। हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि दिल्ली सरकार के सभी 26 अस्पतालों में 2–3 बिस्तर आरक्षित किए जा रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 5 बिस्तर आरक्षित करने का फैसला लिया गया है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र का आकलन है कि तमतमाती गर्मी जून में भी भयावह होगी, क्योंकि इस बार गर्म लू के दिन दोगुना होंगे। सबसे ज्यादा असर दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उप्र, गुजरात और मध्य प्रदेश आदि राज्यों में दिखेगा। उत्तर–पश्चिम राज्यों में जून में सामान्य रूप से गर्म लू के 3 दिन होते हैं, लेकिन इस बार कमोबेश 6 दिन रहने की आशंका है। रात का तापमान भी 4–6 डिग्री अधिक रहेगा। गर्मी के साथ–साथ उमस भी बढ़ेगी। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र की रपट के मुताबिक, शहरों में नमी ज्यादा होने और तापमान में बढ़ोतरी के चलते वहां का मौसम पहले से ज्यादा असहनीय होता जा रहा है। इस पर तुरंत प्रबंधन अनिवार्य है। हरित क्षेत्र में बढ़ोतरी, जलाशयों के निर्माण के साथ–साथ भवनों की संरचना में ऐसे बदलाव लाए जाने चाहिए, जिससे वे तापमान के ज्यादा अनुकूल हो सकें। गर्म दिनों की संख्या में यह वृद्धि अब शिमला, मसूरी, दार्जिलिंग और मनाली जैसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों पर भी देखी जा रही है, जहां आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार गर्मियों के महीनों में तापमान में पांच डिग्री से अधिक की वृद्धि हुई है। इस साल मसूरी में तापमान पहले ही 38 डिग्री को पार कर चुका है। इन हिल स्टेशनों के निवासी बढ़ते तापमान के लिए अनियंत्रित निर्माण गतिविधियों और वनों की बढ़ती कटाई को जिम्मेदार ठहराते हैं, जिससे पेड़ों का आवरण तेजी से खत्म हो रहा है। स्थानीय नागरिक वर्तमान गर्मी की लहर के लिए कालका और शिमला के बीच चार लेन की सड़क बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को जिम्मेदार ठहराते हैं। पुणे में हालात और भी खराब हैं क्योंकि इस शहर को एक समय महाराष्ट्र के सबसे बेहतरीन हिल स्टेशनों में से एक माना जाता था। 1992 से अब तक 22,000 से ज्यादा लोग अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने के कारण मर चुके हैं। इनमें से ज्यादातर मौतें हीट स्ट्रोक और अत्यधिक निर्जलीकरण के कारण होती हैं। डॉक्टर बताते हैं कि अत्यधिक गर्मी के संपर्क में लंबे समय तक रहने से शरीर का तापमान इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि व्यक्ति की प्रोटीन कोशिकाएँ ज्यादा गर्म हो जाती हैं और व्यक्ति के मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। हीट स्ट्रोक के ये आंकड़े चिंताजनक हैं। 1 मार्च 2019 से अब तक केरल में सनस्ट्रोक के 288 मामले दर्ज होने के बाद राज्य को हाई अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी जिले पलक्कड़ में हीट स्ट्रोक के कारण चार मौतें दर्ज की गई हैं। तमिलनाडु राज्य में भी तापमान में वृद्धि देखी गई है। पूरे पूर्वी तट पर भीषण गर्मी पड़ रही है और इसका सबसे बुरा असर दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ रहा है। कई जिले पानी की कमी का सामना कर रहे हैं और राजधानी चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्य सरकार समुद्री पानी का उपयोग करके अलवणीकरण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है, लेकिन इसमें समय लगेगा। बेंगलुरु, जहां गर्मियों में तापमान शायद ही कभी 26 डिग्री से ऊपर जाता था, वहां इस समय तापमान 40 डिग्री के आसपास है, जैसा कि मध्य कर्नाटक के अन्य क्षेत्रों में है। बेंगलुरु में दो दशक पहले तक स्थानीय लोग पंखे का इस्तेमाल नहीं करते थे। आज एसी का इस्तेमाल आम बात हो चुकी है। बेंगलुरु में दिन और रात के तापमान में बहुत ज्यादा उतार–चढ़ाव होता है। रात में आंधी आती है और फिर दिन में बहुत गर्मी पड़ती है। ऐसा नहीं है कि पश्चिमी तट पर स्थिति कुछ बेहतर है। 25 मार्च 2019 को मुंबई में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा था जो शहर के लिए सामान्य से सात डिग्री ज्यादा था। मुंबई की परेशानियों के लिए अत्यधिक कांक्रीटीकरण को दोषी माना जा रहा है। आईआईटी गांधीनगर के वैज्ञानिकों का मानना है कि देश का 16 प्रतिशत हिस्सा वर्तमान में अत्यधिक सूखे की श्रेणी में आता है। 26 मार्च 2019 को जारी किए गए डेटा में एक वास्तविक समय के सूखे की निगरानी करने वाले प्लेटफॉर्म, सूखा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने जानकारी दी कि पिछले साल की तुलना में सूखे का प्रभाव चार गुना बढ़ गया है। सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर पूर्व के कुछ हिस्से हैं और यहाँ 500 मिलियन लोग रहते हैं। ऐसे गरम मौसम में चिकित्सकों की सलाह है कि इस मौसम में कई वायरस और बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि गर्मी में कुछ खाने के बाद उल्टी आने लगती है या फिर पेट में जलन होने लगती है। यह पाचन–तंत्र की गड़बड़ी का पहला संकेत है, लिहाजा गर्मियों में तरबूज और खरबूजे का पर्याप्त सेवन करना चाहिए। इन फलों में पानी होता है। ये शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं। ऐसे मौसम में नारियल का पानी, खीरा, दही, पुदीना, आम, लीची, आड़ू, संतरा, मौसमी, खुबानी, अनानास, अनार आदि भी फायदेमंद होते हैं। बहरहाल, हम प्रकृति की ताकत को भूल बैठे हैं, लिहाजा गर्मी–लू विस्फोट जैसे लग रहे हैं। समय रहते समस्या की गंभीरता को समझना होगा, वरना गर्मी का कहर पूरी मानव सभ्यता के लिए मुसीबत बन जाएगा।

स्वतंत्र पत्रकार

पिछड़ों का आरक्षण कौन छीन रहा है?

राजेन्द्र शर्मा

अब जबकि सिर्फ सातवें चरण में 57सीटों के लिए मतदान बचा है और चुनाव के नतीजे बस हफ्ता भर दूर हैं, इसके अनुमानों में जाना उपयुक्त नहीं होगा कि इस बार के करीब पौने दो महीने लंबे ,चुनाव के पूरे दौर में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संघ–भाजपा के प्रचार में जैसी बदहवासी दिखाई दी है, उन्हें हार अपनी ओर बढ़ती दिखाई देने का ही नतीजा थी या नहीं। बहरहाल, इतना हम पक्के तौर पर कहेंगे कि खासतौर पर पहले चरण के मतदान के बाद से, खुद प्रधानमंत्री के स्तर पर जो बदहवासी नजर आई है, वह छठे चरण के बाद तक भी ज्यों की त्यों बनी ही हुई है। बदहवासी से हमारा आशय संघ–भाजपा के अपने विराट आर्थिक तथा मीडियाई व अन्य प्रचार संसाधनों समेत, सचमुच सब कुछ प्रचार में झौंक देने के लिए उद्घत होने भर से नहीं है, जिसके लिए मोदी की भाजपा को वैसे भी जाना जाता है। यह इसके बावजूद है कि इस सब कुछ झौंकने में शब्दशरू सब कुछ झौंकना शामिल है, तमाम कायदे–कानूनों और मर्यादाओं समेत। बदहवासी से हमारा आशय, खासतौर पर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके अपना ही कोई सुसंगत नैरेटिव पेश करने के बजाय बहुत दूर तक, विरोधियों के नैरेटिव को झुठलाने पर ही केंद्रित हो जाने से है। वास्तव में चुनाव प्रचार के छोर तक पहुंचते–पहुंचते नौबत यहां तक आ गई है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री का उपहास करते हुए, अपनी सभाओं में यह तक कहना शुरू कर दिया है कि वह जो भी चाहें, नरेंद्र मोदी के मुंह से कहलवा सकते हैं। वह कहेंगे खटाखट, तो प्रधानमंत्री भी अपने भाषण में खटाखट–खटाखट ही करने लगेंगे! और सचमुच प्रधानमंत्री की सभाओं में खटाखट, खटाखट सुनाई देने लगी है। फिर भी सामाजिक न्याय तथा जाति जनगणना के विपक्षी इंडिया मंच के महत्वपूर्ण एजेंडा के खिलाफ नरेंद्र मोदी ने अपने हमले को, अपने बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक एजेंडे के इर्द गिर्द बुनने की जो कोशिश की है, उसे कोई चाहे तो संघ परिवार का मूल नैरेटिव भी कह सकता है। लेकिन, यह अगर उनका अपना नैरेटिव है तो, यह बहुत ही दरिद्र नैरेटिव है। इस नैरेटिव की दरिद्रता इसमें है कि यह तो उनका सांप्रदायिक चेहरा साफ–साफ सामने ला देता है। यह बात कम से कम दर्ज तो की ही जानी चाहिए रीढ़–विहीनता के अपने सारे प्रदर्शन और सारे टाल–मटोल से लेकर, आदर्श चुनाव संहिता के उल्लंघन के सारे आरोपों को एक ही पलड़े पर तौलने के अपने शर्मिंदा करने वाले पैंतरों के बावजूद, चुनाव आयोग को इसी प्रचार के लिए, नाम लिए बिना ही सही, प्रधानमंत्री समेत कई प्रमुख भाजपा नेताओं के भाषणोंध् बयानों को आपत्तिजनक मानना पड़ा है। आयोग ने आइंदा ऐसे भाषणोंध् बयानों बचने का निर्देश देने की, भाजपा के अध्यक्ष को सलाह दी है। यह दूसरी बात है कि आयोग ने उक्त सलाह जारी कर अपने कर्तव्य की पूर्ति हो गई मान ली है, जबकि प्रधानमंत्री समेत भाजपा नेताओं द्वारा आदर्श चुनाव संहिता तथा चुनाव कानून के सांप्रदायिक उल्लंघनों में, चुनाव के हरेक चरण के गुजरने के साथ कुछ न कुछ तेजी ही आई है। सामाजिक न्याय और जाति गणना के मुद्दे पर, अपने मनुवादी–सवर्णवादी रुख का बचाव करने और इस बचाव को सांप्रदायिक हमले के हथियार में तब्दील करने के लिए, प्रधानमंत्री से लगाकर नीचे तक, इसके सरासर बेतुके तथा झूठे दावे के साथ कि इंडिया एलाइंस दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों के आरक्षण में से एक हिस्सा छीन लेगा, यह टेक जोड़ दी गई कि छीना हुआ हिस्सा, मुसलमानों को दे देंगे। वैसे छीनकर, मुसलमानों का दे देने के इस हास्यास्पद प्रचार का इस चुनाव के दौरान जिस तरह विकास हुआ है, वह भी कोई कम दिलचस्प नहीं है। इसकी शुरूआत, पहले दो चरणों में राम मंदिर का संघ की कल्पना के अनुसार असर नजर नहीं आने की पृष्ठङ्भूमि में हुई थी, जब जातिगणना और सामाजिक–आर्थिक सर्वे के विपक्ष के प्रस्ताव को खुद प्रधानमंत्री ने जान–बूझकर तोड़–मरोड़कर, बहनों–माताओं का मंगलसूत्र छीन लेंगे, घर में रखा गहना–सोना छीन लेंगे बना दिया और मुसलमानों का नाम लेकर इसका ऐलान कर दिया कि यह सब छीनकर मुसलमानों को दे दिया जाएगा। पर छीनकर दूसरों को दे देने का यह दावा आम तौर इतना ऊटपटांग था कि नरेंद्र मोदी को जल्द ही इसे बदलकर, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों का आरक्षण छीनकर, मुसलमानों को दे देंगे करना पड़ गया। छीने और बांटे जाने का मोर्चा बदल चुका था, फिर भी बांटे जाने के खतरे के स्रोत के रूप में मुसलमान जहां के तहां बने हुए थे और इसी से पैदा होने वाला सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, इस पूरी कसरत का मकसद था। बेशक, आरक्षण के बांटे जाने का यह दावा भी कोई कम बेतुका नहीं था। सभी जानते हैं कि जहां तक दलितों तथा आदिवासियों के आरक्षण का सवाल है, उसका आधार संवैधानिक है और उसे बिना संविधान बदले कोई नहीं बदल सकता है। और संविधान बदलने के इरादों का आरोप खुद संघ–भाजपा पर है। दूसरी ओर अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में जरूर राज्यों के लिए कुछ लचीलापन रहा है और इस श्रेणी में मुस्लिम पिछड़ी जातियों को जगह दिए जाने के कुछ दक्षिणी राज्यों के उदाहरण को ही, मोदी एंड कंपनी अपनी सांप्रदायिक दलील बनाती रही है, वह भी बहुत अवसरवादी तरीके से। कर्नाटक में भाजपा की पिछली सरकार के लगभग पूरे कार्यकाल में, पिछड़ों के आरक्षण में मुस्लिम पिछड़ी जातियों की भागीदारी की तीन दशक पुरानी व्यवस्था बिना किसी विवाद के चलती रही थी।

भारतीय चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पहुंची सबसे निचले स्तर पर

के रवींद्रन

यह लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आधारशिला रहा है, जिसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, लगातार चुनावों के माध्यम से आयोग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की विश्वसनीयता और जनता का उस पर भरोसा मौजूदा लोकसभा चुनावों में एक नये ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है और स्थिति ऐसी हो गई है कि इसे पूरी चुनाव प्रणाली में कुछ विनाशकारी बदलावों के बिना वापस नहीं लाया जा सकता है। भारत के चुनाव आयोग ने आम चुनाव कराने के लिए अपनी विशाल संख्या और प्रसार के कारण दुनिया भर में प्रशंसा हासिल की है। यह लंबे समय से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की आधारशिला रहा है, जिसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि, लगातार चुनावों के माध्यम से आयोग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और 2024 के चुनावों ने संस्था की विश्वसनीयता पर एक लंबी छाया डाली है, जिससे सवाल और चिंताएं पैदा हुई हैं, जिनकी गहन जांच और उस पर विचार करने की आवश्यकता है। 2024 के चुनावों की अगुवाई में, ईसीआई ने खुद को एक ऐसे विवाद में उलझा हुआ पाया, जो चुनावी प्रक्रिया की दिशा तय करेगा। चुनाव घोषित होने से ठीक पहले दो नये चुनाव आयुक्तों, ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की नियुक्ति को संदेह और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। संभावित अराजकता और अनिश्चितता का हवाला देते हुए इन नियुक्तियों पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज करने के सर्वोच्च नयायालय के फैसले ने संदेह के बढ़ते ज्वार को कम करने में कोई मदद नहीं की।2023 के कानून के अनुसार, चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर करने से निराशा और बढ़ गई। पारंपरिक तीन सदस्यीय समिति, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे, अब दो सदस्यों तक सिमट कर रह गई है, जिसमें न्यायपालिका का प्रतिनिधि स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। स्थापित मानदंडों से इस तरह के विचलन को कई लोगों ने ईसीआई की घटती स्वतंत्रता के संकेत के रूप में देखा। चुनाव से पहले ही आयोग के प्रदर्शन पर एक लंबी छाया पड़ चुकी थी। बाद के घटनाक्रमों ने साबित कर दिया कि आशंकाएं बिलकुल गलत भी नहीं थीं। जैसे–जैसे चुनाव आगे बढ़े, ईसीआई द्वारा आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को संभालने की गहन जांच की गई। सत्तारूढ़ दल के पक्ष में पक्षपात के आरोप सामने आये, तथा आलोचकों ने चुनिंदा प्रवर्तन के पैटर्न की ओर इशारा किया। ऐसे उदाहरण हैं जहां सत्तारूढ़ दल के उल्लंघनों को अनदेखा किया गया, जबकि विपक्ष को कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ा, जिन्हें पक्षपात के सुबूत के रूप में उजागर किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन किया, लेकिन आयोग ने नजरंदाज करने का नाटक किया। पार्टी प्रमुखों को नोटिस भेजने के आयोग के कृत्य को एक दिखावा माना गया, जिसका उद्देश्य अपराधियों को बचाना था। तटस्थता का दिखावा करने के लिए, इसने कांग्रेस अध्यक्ष को भी ऐसा ही नोटिस भेजा। चुनाव प्रचार के लिए परंपरागत रूप से प्रतिबंधित पूजा स्थलों की पवित्रता से समझौता किया गया। इन पवित्र स्थलों में राजनीतिक संदेश घुसने की खबरें आईं। इन मामलों पर चुनाव आयोग की बहरी और पूरी चुप्पी थी, जिसके कारण एमसीसी के उल्लंघन पर आंखें मूंदने के आरोप लगे। अनूप बरनवाल का भूत, चुनाव आयुक्तों को नामित करने के लिए सीजेआई सहित एक समिति के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का संदर्भ, कार्रवाई पर हावी रहा। इस निर्देश से चुनाव आयोग के विचलन को एक जानबूझ कर किया गया कार्य माना गया, जो चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाये रखने के लिए आवश्यक जांच और संतुलन को कमजोर करता है। ऐसे आरोप लगे हैं कि मतदान को अनावश्यक रूप से लंबा खींच दिया गया, जिसके कारण मतदान के सभी चरणों में बहुत कम मतदान हुए। ऐसा प्रधानमंत्री के देश भर में प्रचार करने की सुविधा के लिए किया गया था। चुनाव की अवधि ने स्पष्ट रूप से जनता के साथ–साथ कम संसाधनों वाले राजनीतिक दलों, जैसे कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, को थका दिया, जिसे केंद्रीय एजेंसियों द्वारा दंडात्मक कार्रवाई के कारण धन की कमी का सामना करना पड़ा। आयोग के अभूतपूर्व पतन से हारने वाले दलों को अपनी हार के लिए बाहरी कारकों को दोषी ठहराने का मौका मिल सकता है। नतीजों के दिन आने में एक सप्ताह से भी कम समय बचा है, लेकिन चुनाव परिणाम, यहां तक कि सत्तारूढ़ दल की भारी जीत भी संदेह और बेईमानी के आरोपों के साथ देखी जायेगी। चुनाव आयोग का यह आग्रह कि चुनाव निष्पक्ष रूप से आयोजित किये गये थे, उन लोगों की चिंताओं को कम करने में कोई मदद नहीं करेगा जो पूरी प्रक्रिया को लोकतंत्र के नाम पर एक भव्य भ्रम के रूप में देखते हैं।

इसका अंतिम परिणाम यह है कि विवादों की श्रृंखला और कथित पूर्वाग्रह ने एक ऐसी संस्था में जनता के विश्वास को खत्म कर दिया है जो कभी भारत के लोकतांत्रिक लोकाचार का पर्याय थी। चूंकि राष्ट्र इन घटनाक्रमों के निहितार्थों से जूझ रहा है, इसलिए चुनाव आयोग का भविष्य अधर में लटका हुआ है, और इसे अपनी विश्वसनीयता बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसमें सत्तारूढ़ दल की कम से कम दिलचस्पी होगी।

ब्रिटिश टीवी होस्ट ने बिगाड़ा प्रियंका चोपड़ा का नाम

जहां प्रियंका चोपड़ा बुल्गारी की 140वीं सालगिरह के जश्न में व्यस्त हैं, वहीं ब्रिटिश टीवी होस्ट एंडी पीटर्स द्वारा अभिनेता के नाम का गलत उच्चारण करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जहां प्रियंका चोपड़ा बुल्गारी की 140वीं सालगिरह के जश्न में व्यस्त हैं, वहीं ब्रिटिश टीवी होस्ट एंडी पीटर्स द्वारा अभिनेता के नाम का गलत उच्चारण करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हालाँकि नामों का गलत उच्चारण करना समझ में आता है, लेकिन प्रियंका के प्रशंसकों ने एंडी पर जानबूझकर उनका मजाक उड़ाने का आरोप लगाया है।

मार्च में, एंडी ने गुड मॉर्निंग ब्रिटेन के लिए लंदन में मैडम तुसाद का दौरा किया और वहां मोम में अमर मशहूर हस्तियों पर चर्चा की। शो के दौरान एंडी ने प्रियंका के नाम को लेकर संघर्ष किया और उन्हें श्चियांका चॉप फ्रीश कहा। टीवी होस्ट आदिल रे और चार्लोट हॉकिन्स, जो स्टूडियो में थे, ने उसे सुधारा और धीरे से डांटते हुए कहा, "ईमानदारी से, एंडी। यदि आप किसी के बगल में खड़े होने जा रहे हैं, तो कम से कम यह पता कर लें कि उनका नाम क्या है। वह भारतीय बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हैं, जो अब अमेरिका में एक बड़ी स्टार हैं।

एंडी की तैयारी में कमी से प्रियंका चोपड़ा के प्रशंसक नाराज हो गए और उन पर जानबूझकर अनादर करने का आरोप लगाया। एक प्रशंसक ने लिखा, ष्यह बहुत बड़ा अनादर है, सिर्फ गलत उच्चारण नहीं, क्योंकि कोई भी गलती कर सकता है, लेकिन यह जानबूझकर किया गया था।ष एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की, षकिसी को एंडी पीटर्स को यह बताने की जरूरत है कि प्रियंका चोपड़ा ने उनके विपरीत मैडम तुसाद में अपनी जगह बनाई है।ष एक अन्य ने बस इतना लिखा, ष्अपमानजनक।ष एक निराश प्रशंसक ने कहा, ष्मैं एंडी को पसंद करता था – अब नहीं! वह सचमुच असभ्य था, और उसका नाम बताना बिल्कुल भी कठिन नहीं है!ष

पेशेवर मोर्चे पर, प्रियंका अगली बार राज्य प्रमुख की भूमिका निभाएंगी। इल्या नैशुलर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इदरीस एल्बा, जैक क्वैड और जॉन सीना भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

एक ब्रिटिश चौनल का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है जिसमें होस्ट एंडी पीटर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के नाम का गलत उच्चारण कर रहे हैं। वायरल क्लिप ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है क्योंकि कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को लगता है कि वह जानबूझकर उनका मजाक उड़ा रहे थे

प्रियंका चोपड़ा के प्रशंसक ब्रिटिश टीवी होस्ट एंडी पीटर्स से इस बात से नाराज हैं कि उन्होंने मार्च में लंदन में मैडम तुसाद का दौरा करते समय उनके नाम का गलत उच्चारण किया था। एंडी ने गुड मॉर्निंग ब्रिटेन के लिए मोम संग्रहालय का दौरा किया और वहां मोम में अमर मशहूर हस्तियों के बारे में बात की। अब यह क्लिप इंस्टाग्राम पर फिर से सामने आने से प्रशंसक खुश नहीं हैं।

एंडी ने प्रियंका को श्चियांकाश कहा

इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक द्वारा साझा की गई क्लिप में गुड मॉर्निंग एंकर आदिल रे और चार्लोट हॉकिन्स स्टूडियो में थे, जबकि एंडी ने मैडम तुसाद से उनसे बात की। हालाँकि, एंडी को प्रियंका का नाम सही ढंग से उच्चारण करने में कठिनाई होती है और वह उसे श्चियांका चॉप फ्रीश कहती है, जिससे आदिल को बहुत निराशा होती है, जो उसे सही करते हुए कहता है, ष्ईमानदारी से, एंडी।

यदि आप किसी के बगल में खड़े होने जा रहे हैं तो कम से कम यह पता कर लें कि उनका नाम क्या है। वह भारतीय बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हैं, जो अब अमेरिका में एक बड़ी स्टार हैं। डेली स्टार के अनुसार एंडी ने तब दावा किया कि वह जानता था कि वह कौन थी और उसकी शादी श्जोनास ब्रदर्स में से एकश से हुई थी।

वायरल क्लिप ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है क्योंकि कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को लगता है कि वह जानबूझकर उनका मजाक उड़ा रहे थे, जबकि कुछ को यह भी लगा कि वह वास्तव में अभिनेत्री के नाम से अनजान थे। वायरल वीडियो के अनुसार, एंडी पीटर्स गुड मॉर्निंग ब्रिटेन शो के लिए लंदन के मैडम तुसाद में थे और च्ममब्मम मोम की मूर्ति के बगल में खड़े थे। सेलिब्रिटी के बारे में सूचित करते समय, उन्होंने उसका नाम टटोला और उसे श्शचिया चियानका चॉप फ्रीश्श कहा।

दूसरी ओर, शो के सह–मेजबान, आदिल रे और चार्लोट हॉकिन्स ने यह कहकर उन्हें सही किया, श्श्ईमानदारी से, एंडी। यदि आप किसी के बगल में खड़े होने जा रहे हैं, तो कम से कम यह पता कर लें कि उनका नाम क्या है। वह हैं भारतीय बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, जो अब अमेरिका में एक बड़ी स्टार हैं।श्श

वीडियो के ऑनलाइन ट्रेंड करने के तुरंत बाद, प्रियंका के प्रशंसकों ने एंडी पीटर्स पर अपना श्गुस्साश और श्नाराजगीश व्यक्त करने में जल्दबाजी की। एक यूजर ने लिखा, श्श्अगर हमने गलत उच्चारण किया या दूर से भी उसकी पृष्ठभूमि या नाम के बारे में कुछ भी अपमानजनक कहा.. तो यह कहानी का अंत होगा।

दूसरे ने लिखा श्श्वह प्रियंका है, दुनिया उसे जानती है कि आप कौन हैं?श्श एक तीसरे यूजर ने कमेंट किया, श्शकिसी को एंडी पीटर्स को यह बताने की जरूरत है कि कम से कम प्रियंका चोपड़ा ने मैडम तुसाद में अपनी जगह बना ली है क्योंकि उन्होंने ऐसा नहीं किया।

बता दें, बॉलीवुड में सफल करियर के बाद प्रियंका चोपड़ा अमेरिका चली गईं और एक ग्लोबल स्टार बन गईं। उन्होंने अमेरिकी गायक निक जोनास से शादी की है और दोनों की एक बेटी मालती मैरी है। काम के मोर्चे पर, अभिनेत्री अगली बार हेड्स ऑफ स्टेट्स में दिखाई देंगी, जिसमें इदरीस एल्बा, जॉन सीना और जैक क्वैड भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में फ्रैंक ई फ्लावर्स द्वारा निर्देशित द ब्लफ में अपनी भागीदारी की घोषणा की। प्रियंका ने एक निर्माता के रूप में बैरी एवरिच की नई फीचर डॉक्यूमेंट्री बॉर्न हंग्री की प्रोडक्शन टीम के साथ मिलकर अपनी नई फिल्म की भी घोषणा की।

नोरा फतेही के इस लुक पर फैंस ने की कमेंट्स की बरसात, मल्टीकलर को-ऑर्ड सेट में दिए पोज

नोरा फतेही मल्टीकलर को–ऑर्ड सेट में कई गजब के पोज देती दिखाई दे रहीं हैं, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा...

जाह्नवी कपूर ने इवेंट में लगाया ग्लैमर का तड़का, अंदाज ऐसा की हर निगाह उन्हीं पर आकर थम गई

जाह्नवी कपूर स्टाइलिश शिमरी आउटफिट में बेहद प्रिटी लग रही थी, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा...

निया शर्मा ने पिंक डीप नेक गाउन में ढाया कहर, फैंस बोले – स्वर्ग से उतरी अप्सरा

निया शर्मा पिंक कलर के डीप नेक गाउन में बेहद किलर अंदाज में एक से बढ़कर एक पोज देती दिखाई दे रहीं...

जैकलीन का शॉकिंग खुलासा

कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने लुक्स से चर्चा में बनी हुईं जैकलीन फर्नांडिस ने हाल ही में एक शॉकिंग खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया है कि जब वो इंडस्ट्री में नई थीं, तब कई लोगों ने उन्हें नाक की सर्जरी करवाने की सलाह दी थी। साथ ही कई लोगों ने उन्हें ये भी कहा था कि वो अपने पासपोर्ट में अपनी उम्र कम करवाकर लिखवाएं। कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान ब्रूट से हुई बातचीत में जैकलीन ने कहा है, मुझसे कहा गया था कि मुझे नोज जॉब (नाक की सर्जरी) करवा लेनी चाहिए, लेकिन ये पागलपन है क्योंकि जब मैं यहां आई तो मुझे अपनी नाक से प्यार था। मैंने कभी ऐसा कुछ करवाने का नहीं सोचा था। शुरुआत में मुझे कई लोगों ने कहा था कि मुझे वाकई ऐसा करवाना चाहिए। ये सिर्फ फिजिकल है तो ये दुख की बात है।जैकलीन फर्नांडिस मिस श्रीलंका रह चुकी हैं।

कान्स में अदिति का जलवा

अदिति राव हैदरी एक शानदार काले और सफेद पोशाक में रेड कार्पेट पर चलीं। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांधा था और मेकअप को सिंपल रखा था। अदिति राव हैदरी एक शानदार काले और सफेद पोशाक में रेड कार्पेट पर चलीं। उन्होंने अपने बालों को जूड़े में बांधा था और मेकअप को सिंपल रखा था। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर रिक रॉय द्वारा 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए उनके पहनावे की प्रशंसा किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। हालाँकि, रिक ने कार्यक्रम में शामिल हुए अन्य भारतीय हस्तियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि ष्कम से कम भारत से कोई हमें फैशनेबल रूप से गौरवान्वित कर रहा हैष। अदिति ने अपनी कान्स ड्रेस पर कमेंट पर प्रतिक्रिया दी रिक ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें अदिति कान्स रेड कार्पेट पर अपने काले और सफेद गाउन में नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, ष्बच्चों को सिखाएं कि रेड कार्पेट पर यह कैसे किया जाता है। ऊऊफ्फफ, कम से कम भारत का कोई व्यक्ति हमें फैशनेबल रूप से गौरवान्वित कर रहा है। आदिति राव बस इसे खत्म कर रही है। अदिति ने इसे अपने इंस्टाग्राम पर दोबारा साझा करते हुए कई लाल दिल वाले इमोजी जोड़ी अदिति ने कान्स में ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में जलवा बिखेरा गुरुवार को अदिति शानदार ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में रेड कार्पेट पर चलीं। उन्होंने अपने बालों को साफ–सुथरे जूड़े में बांधा था और मेकअप को सिंपल रखा था। अभिनेता गुरुवार को गाइल्स लेलौचे द्वारा निर्देशित एलश्अमोर ओउफ (बीटिंग हार्ट्स) की स्क्रीनिंग में भी शामिल हुए। अदिति ने 77वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में कॉस्मेटिक्स दिग्गज लोरियल का प्रतिनिधित्व किया था। अदिति का अब तक कान्स लुक कान्स 2024 से अदिति का दूसरा लुक भी उतना ही मंत्रमुग्ध कर देने वाला था। ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीरों और वीडियो में वह फ्रेंच रिवेरा की सड़कों पर फ्लोरल ब्लैक गाउन में घूमती नजर आ रही हैं। उनका स्लीवलेस पहनावा, जो पीले, काले और हरे रंग में आता है, में हॉल्टर नेकलाइन है। सिद्धार्थ ने कमेंट किया, ष्ओह, वाह!ष अदिति का हालिया प्रोजेक्ट अदिति को संजय लीला भंसाली की पहली श्रृंखला, हीरामंडीरू द डायमंड बाजार में उनकी भूमिका के लिए सराहना मिल रही है। श्रृंखला में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, ताहा शाह बदुशा, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन भी हैं।

गर्मी के कारण हर रोज हीट बढ़ती जा रही है जिसके कारण घरों से बाहर निकलते ही त्वचा लाल पड़ने लगती है और हमारी बॉडी डिहाइड्रेटेड हो जाती है। ऐसे में जरूरी है आप खुद को जितना हो सके स्वस्थ रखें। ऐसे में हमें डाइट में कुछ खास फ्रूट्स को शामिल जरूर करना चाहिए जिससे शरीर को नेचुरली पानी मिलता रहे। जी हां, ये फ्रूट्स न सिर्फ गर्मी के मौसम में फायदेमंद रहेंगे बल्कि इनका सेवन अगर आप रोजाना नाश्ते में करते हैं तो इससे वजन घटाने में भी काफी मदद मिलेगी। तो अब चलिए जानते हैं उन हेल्दी फ्रूट्स के बारे में–

गर्मी में नाश्ते में खाएं फ्रूट सलाद

तरबूज सलाद

तरबूज में भरपूर पानी की मात्रा पाई जाती है। करीब 90 प्रतिशत हिस्सा पानी ही होता है। तरबूज खाने से शरीर हाइड्रेट रहता है और तेजी से वजन घटाने में भी मदद मिलती है। तरबूज से फ्रूट सलाद बनाने के लिए आप इसके ऊपर चिलगोजा, पुदीना और नींबू का रस डाल लें।

मिक्स फ्रूट सलाद

मिक्स फ्रूट सेलेड बनाने के लिए आपको तरबूज, खरबूज, सेब, कीवी, पाइनएप्पल लेने हैं। इन सारी चीजों को कट कर लें और सुबह या शाम कभी भी खाएं। स्वाद के लिए नट्स या सीड्स डाल लें।

कीवी–अनार सलाद

गर्मी में कीवी खाने से काफी फायदा मिलता है। इसके लिए कीवी को छीलकर काट लें और साथ में थोड़े अनार के दाने डालकर इसे गार्निश कर लें। इसमें आप चीज, पुदीने के पत्ते, संतरे के टुकड़े और नींबू का रस मिलाकर खाएं।

आम सलाद

आम जितना खाने में स्वाद लगता है उतना ही फायदेमंद भी होता है। आप सुबह आम को सलाद के रूप में भी खा सकते हैं। इसके लिए आम और मॉजेरेला का उपयोग किया जा सकता है। दोनों को मिलाकर ऊपर से थोड़ी लाल मिर्च, नींबू रस और नमक डालकर भी खा सकते हैं।

ब्लैकबैरी सलाद

आप ब्लू बेरीज या ब्लैक बेरीज को मिक्स करके सलाद बना सकते हैं। ये बेरीज जामुन के रूप में भी मिलती हैं। इस पर नमक और नींबू का रस डालकर खाने से स्वाद और बढ़ जाता है।

रियालिटी शो रोडीज और स्प्लिट्सविला में नजर आ चुके फेमस एक्टर और मॉडल वरुण सूद को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, एक्टर की तबीयत अचानक से खराब हो गई है। बता दें कि वरून कनक्शन नामक बीमारी से जूझ रहे हैं। इसकी जानकारी खुद एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है।

जिन लोगों को इस बीमारी के बारे में नहीं पता है उन्हें बता दें कि यह एक ब्रेन से जुड़ी समस्या है। इस में ब्रेन के फंक्शन्स ठीक तरह से काम नहीं करते हैं। इस कारण कई तरह की बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इस लिए समय रहते इसका इलाज जरूरी है और यह आप तब ही कर पाएंगे जब आपको इस बीमारी के बारे में अच्छे से जानकारी होगी। चलिए इसी के साथ अब हम जानते हैं इस ब्रेन इंजरी के बारे में–

एक्टर को दी स्क्रीन से दूर रहने की सलाह

आपको बता दें कि वरुण ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखकर कहा है कि वे फिलहाल किसी मैसेज का जवाब नहीं दे पाएंगे क्योंकि उन्हें डॉक्टर ने स्क्रीन से दूर रहने की सलाह दी है।

कनक्शन बीमारी क्ध्या है?

आपको बता दें कि यह एक ब्रेन इंजरी होती है, जिसमें दिमाग सही तरीके से फंक्शन नहीं कर पाता है। इसमें मरीज को कुछ चीजों पर फोकस करने में बहुत परेशानी होती है। सिर्फ यही नहीं बल्कि इसमें मरीज को चीजों को याद रखने में दक्कत होती है।

कनक्शन की वजह

इसे होने की वजह ब्रेन सॉफ्ट टिश्यू और स्पाइनल फ्लूड से मध्लिकर गद्देदार फॉर्म में बना होता है। जो खोपड़ी को सुरक्षात्मक आवरण देता है। जब कभी आपके सिर पर कोई झटका या टक्कर लगती है, तो इससे मस्तिष्क को भी झटका पहुंचता है। कभी–कभी ब्रेन इंजरी की वजह से सिर घूमने लगता है और चोट लगने से ब्लड वेसल्स को चोट पहुंच सकती है। अगर आपके साथ भी ऐसी ब्रेन इंजरी होती है, तो दृष्टि खध्राब होना, बैलेंस खो देना, या बेहोश हो जाना जैसी चीजें आपके साथ हो सकती है।

इस में हो सकती है ये समस्या

–थोड़ी ऊंचाई से गिरना पर विशेषकर बच्चों और वृद्धों

– एथलिटों में खेल के दौरान

– सेफ्टी गियर के अभाव में खेलने से

– कार, मोटरसाइकिल, साइकिल और अन्य दुर्घटनाएँ जिनमें सिर पर चोट लगती है

– किसी चीज से लगने पर

– मिलिट्री सर्विस के दौरान लगने से

– पहले आई किसी पुरानी चोट के वजह से

कनक्शन के लक्षण

–जी मचलाना और उल्टी होना

– सिरदर्द

– चलते वक्त लड़खड़ाना,

–किसी चीज पर फोकस नहीं कर पाना

–बैलेंस नहीं बना पाना

– कंफ्यूजन होना

– मेमोरी लॉस

– खूब नींद आना

ऐसे में आपको भी अगर कभी यह लक्षण नजर आएं तो समय रहते अपने डॉक्टर को चेक जरूर करवाएं।

हर कोई दुनिया में सफलता पाना चाहता है। यहां सफलता से अभिप्राय धन,पद व समाज में स्टेटस से है। यह मात्र किस्मत का खेल नहीं होता है कि वह सक्सेस की सबसे ऊपरी सीढ़ी पर बैठे रहते हैं। सफल लोगों के जीवन में यदि झांका जाए तो उस मुकाम तक पहुंचने में उनकी मेहनत, लगन, कुछ अलग करने की इच्छा का हाथ होता है। जानिये सफल लोग ऐसे कौन से प्रयास व तरीके अपनाते हैं जो उन्हें जीवन में सफलता पर सफलता दिलाते हैं।

लक्ष्य पर फोकस

चाहे आपका प्राइवेट या सरकारी जॉब हो या फिर खुद का कोई बिजनेस हो। सबको लेकर एक लक्ष्य व टारगेट तो होना ही चाहिए। बिना लक्ष्य रखे किसी भी कार्य को करना ऐसा ही है जैसे आप चल रहे हैं लेकिन आपको पता नहीं है कि आपको कहां जाना है। इसलिए बिना मकसद मन मुताबिक सफलता पाना असंभव हो जाता है। इसीलिए जब भी किसी कार्य की शुरुआत करें तो एक टारगेट पॉइंट सेट कर लें। उस पर अनेक तरह से विचार–विमर्श और रिसर्च करें। ऐसा करके आपका लक्ष्य से भटकाव नहीं होगा, दूसरे आसानी से सफलता मिलेगी।

वित्तीय अनुशासन

जिनको लगता है कि अमीर लोग अपने पैसे यूं ही खर्च करते रहते हैं। तो यह उनका भ्रम है बल्कि अमीर लोग आम इंसान से पैसे सोच–समझ कर खर्च करते हैं। वह यदि कहीं इन्वेस्ट करते हैं तो वह वहां से एक नहीं कई तरीकों से फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। तभी वह कहीं अपने पैसे को इन्वेस्ट करते हैं और अपने पाई–पाई का हिसाब रखते हैं। यदि आप अमीर बनना चाहते हैं तो सिर्फ कमाना काफी नहीं होता है। उसे बचाना और सही जगह इन्वेस्ट करना भी काफी जरूरी होता है।

जोखिम लेना

हर सफलता की एक कीमत होती है। यदि आप वह कीमत चुका सकते हैं। तभी आपको वह सफलता मिल सकती है। व्यवसाय हो या कोई प्रतिष्ठित जॉब आप उसके लिए मेहनत करते हैं, धन इन्वेस्ट करते हैं। लेकिन जरूरी नहीं है की आपको उस चीज में सफलता ही मिल जाए यह तो रिस्क हो गया। चाहे व्यवसाय हो या जॉब सफलता पाने के लिए रिस्क तो उठाना ही पड़ेगा।

कड़ी मेहनत

कड़ी मेहनत की कोई ऑप्शन नहीं है। चाहे खुद का व्यवसाय हो या जॉब, दोनों ही क्षेत्र में आपकी मेहनत ही ऊंचाई तक ले जा सकती है। जितनी आपकी मेहनत उतनी सफलता आपके हिस्से आ सकती है। सफलता कभी भी भाग्य की नहीं, मेहनत की मोहताज होती है।

सकारात्मक सोच

हारे हुए मन से आप छोटा–मोटा काम भी ढंग से नहीं कर सकते। तो सफलता के शिखर पर चढ़ना तो दूर की बात है। सफल लोग हमेशा पॉजिटिव सोच रखते हैं। अपनी छोटी–मोटी असफलता पर वह हार नहीं मान लेते हैं। आप कभी भी उनसे बात करके देख लीजिए उनकी बातें काफी ऊर्जा से लबरेज, सकारात्मक और मोटिवेट करने वाली होती हैं। वह अपने आप को डिप्रेशन और तनाव से काफी दूर रखते हैं। क्योंकि सफलता पाने के लिए स्वस्थ शरीर के साथ–साथ स्वस्थ मन का भी होना बहुत जरूरी है और यह सब पॉजिटिव सोच से आता है ।

असफलताओं पर नजर

हर किसी को छोटी–छोटी असफलताएं झेलनी ही पड़ती है। लेकिन सफल और समझदार लोग अपनी उन असफलताओं और रिजेक्शन के ऊपर पैनी नजर रखते हैं। जिससे उन्हें अपनी कमियों का पता चलता रहता है। और अगली बार कोई कार्य करते हैं तो उसे चीज से सावधान रहते हैं। जिससे उनकी सफलता के चांस बढ़ जाते हैं।

खुद को बनाएं अपना गुरु

आपसे अच्छा आपको कोई नहीं जानता है। आप अपना वीक पॉइंट और प्लस पॉइंट दोनों आप बेहतर तरीके से जानते हैं। इसीलिए आप अपना मूल्यांकन भी अच्छे तरीके से कर सकते हैं। और जब आपको यह पता रहता है कि आपको क्या सुध ाार करने पर सफलता मिल जानी है तो सफलता प्राप्त करना बेहद आसान हो जाता है। इसीलिए सबसे पहले अपने आप को गुरु बनाएं।

फ्रेंड सर्कल

जीवन का नाम प्रतिदिन कुछ न कुछ नया सीखना है। अगर हम सफल लोगों के संपर्क में रहते या हमारे फ्रेंड सर्कल में सफल लोग रहते हैं तो उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। कार्य करने का ढंग, मोटिवेट होने के पॉइंट, हार न मानने की कला आप धीरे–धीरे स्वयं ही सीख जाते हैं। यह भी कि अगर सफलता चाहते हैं तो अपने क्षेत्र में टिके रहिए। अनुभव बढ़ने के साथ ही सफलता पक्की हो जाती है। वहीं सफलता के लिए तीन चीजें बहुत महत्वपूर्ण हैं– धैर्य, पूंजी,मेहनत।

रिमोट वर्क के नियम जानने वाले एंप्लॉयी ज्यादा संतुष्ट

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संरक्षक पद पर सुशोभित हुए विश्वनाथ जिले के साहित्यकार हरिप्रसाद लुइटैल, समाजसेवी छत्तर सिंह पवार और दिलीप शर्मा

विश्वनाथ, असम स पूर्वोत्तर भारत में हिंदी भाषा व साहित्य के प्रचार– प्रसार के क्षेत्र में और नवलेखक व कवि के निर्माण में कार्य करने वाले न्यास ने हाल ही में अपना नौवें स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर विश्वनाथ के जाने माने साहित्यकार व सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक हरि लुइटेल (उपाध्याय) ने पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के ष्संरक्षक ष का गरिमामय पद ग्रहण किये। एम.ए. बि.एड. हिन्दी प्रवीण, उर्दू भाषा शिक्षण में शिक्षा ग्रहण किये हरि लुइटैल अवकाशप्राप्त प्रधान शिक्षक, बापूजी सेकण्डेरी स्कूल के थे। उनकी साहित्यिक गतिविधियाँ में उपन्यासकार प्रेमचंदजी का गोदान नेपाली में अनुवादित एवं भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित , षविस्मृति को अँध्यारो भित्रष (नेपाली कहानी संग्रह)और सप्तपदी (नेपाली कहानी संग्रह) है। वे कई पत्रिका के संपादन भी कर चुके हैं।वर्तमान विभिन्न साहित्यिक व सामाजिक अनुष्ठान से जुड़े वरिष्ठ साहित्यकार हरिप्रसाद लुइटेल अपने उम्र की नजरअंदाज करते हुए वर्तमान हिंदी निबंध संग्रह प्रकाशित कार्य में जुटे हुए हैं। इधर विश्वनाथ जिले वरिष्ठ समाजसेवक व हिंदी प्रेमी छत्तर सिंह पवार जी ने भी पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के ष्संरक्षक ष पद ग्रहण करते हुए इस न्यास की कार्यशैली की प्रशंसा की। पवार जी राजस्थान के चूडू में जन्में असम प्रदेश के विश्वनाथ चारिआलि में आकर प्रतिष्ठित व्यवसाय के रूप में उभरे।असम में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सचिव के रूप में सन् 1991 में अपने दायित्व का

निर्वाहन किया। भाजपा के विश्वनाथ जिला उपाध्यक्ष के रूप में काम किये।।इसके बाद राष्ट्रीयता का परिचय देते हुए विश्वनाथ जिला के एक मात्र हिंदी हाईस्कूल राष्ट्रीय विद्यालय हाई स्कूल के अध्यक्ष रूप आपने हिंदी के प्रचार–प्रसार में नई दिशा प्रदान की। वर्तमान वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक, सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में विश्वनाथ जिला के व्यवस्था प्रमुख के दायित्व पालन कर रहे हैं। वे मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी, विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं।साथ ही 50 वर्षों से विश्वनाथ में व्यवसाय व समाजसेवक तथा विभिन्न संगठनों के पदों पर रहकर सेवा प्रदान कर रहे हैं।पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के हिंदी भाषा ,साहित्य, कला व सांस्कृतिक के क्षेत्र में किये गए विभिन्न कार्यक्रम से प्रोत्साहित होकर विश्वनाथ के अन्यतम समाजसेवक, हिंदी प्रेमी व सांस्कृतिक प्रेमी दिलीप शर्मा ने ष्संरक्षकष पद ग्रहण की।सांवरमल शर्मा और रत्नीदेवी शर्मा के पुत्र दिलीप शर्मा राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ में जन्म ग्रहण किये।असम राज्य में आकर वे विश्वनाथ चारिआलि में प्रतिष्ठित व्यवसाय के रूप में उभरे।असम में आने के बाद में वे विश्वनाथ चारिआलि के चेंबर ऑफ कॉमर्स से जुड़ा हुआ हूं।वे वर्तमान मारवाड़ी सम्मेलन , विश्वनाथ चारिआलि शाखा के उपाध्यक्ष,विश्वनाथ क्रिकेट एसोसिएशन में भी सदस्य के भूमिका में हैद। वे विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति मनोनीत सदस्य के दायित्व में है।मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी, विश्वनाथ चारिआलि शाखा के उपाध्यक्ष है।वे ऑल इंडिया गोल्ड ब्राह्मण महासभा का मेंबर तथा विप्र फाउंडेशन का कार्यकारी सदस्य है।इसके अलावा विश्वनाथ चारिआलि शहर के प्रतिष्ठित सार्वजनिक श्री श्री गणेश पूजा समिति के अध्यक्ष पद पर सुशोभित थे।आदरणीय दिलीप शर्मा वर्तमान 35 वर्षों से विश्वनाथ में व्यवसाय व समाजसेवक तथा विभिन्न संगठनों व धार्मिक संस्थाओं के पदों पर रहकर सेवा प्रदान कर रहे हैं। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संरक्षक हरि लुइटेल, छत्तर सिंह पवार और दिलीप शर्मा को न्यास के तरफ से एक गरिमामय कार्यक्रम में फुलाम गामोछा, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। इधर संरक्षक दिलीप शर्मा ने पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी की नौवें सस्थापक दिवस के कार्यक्रम से प्रेरित होकर कहा इस प्रकार के कार्यक्रम बार –बार होना चाहिए। आगामी कार्यक्रम विश्वनाथ जिला में करने की आग्रह की।पूहिंसाअ के संरक्षक जैसे गरिमामय पद पर सुशोभित होने पर विश्वनाथ के गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी।

’मुस्लिम वेल्फेयर सोसायटी ने असहाय, विधवाओं, विकलांगो को पेंशन देकर जरूरत मंदो की मदद की

लखनऊ (यूएनएस)। मुस्लिम वेल्फेयर सोसायटी की जानिब से हर माह की पहली तारीख को विधवाओं, अपाहिजों,नेत्र विहीन,बुजुर्गों को गुजारा भत्ता पेंशन देकर जरूरत मंदो की मदद किये जाने के अन्तर्गत आज जामा मस्जिद मुन्शी पुलिया इंदिरा नगर लखनऊ में सोसायटी की ओर से शिविर का आयोजन किया गया जिसमें शहर के विभिन्न हिस्सों से लाभार्थियों ने पहुंच कर गुजारा हेतु पेंशन प्राप्त किया। सोशल वेल्फेयर एवं कल्चरल एक्टीवीज कमेटी लखनऊ के सेक्रेट्री जनाब ’मुर्तजा अली’, इंजीनियर अयाज अहमद, शेख अफजाल अहमद, आमिर किदवाई ,बशीर खान एवं सोसायटी के फाउन्डर मेम्बर जनाब उसामा रावत समेत जरनल सेक्रेट्री जनाब मुस्तकधीम अहमद सिद्दीकधी साहब ने अपने कर कमलों द्वारा पेंशन वितरण कर लोगों की मदद की।

हस्सान अन्सारी अध्यक्ष और संजय कुमार सचिव निर्वाचित

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के जनपदीय चुनाव में इं. हस्सान अन्सारी अध्यक्ष और इं. संजय कुमार सचिव चुने गए। महासंघ और मण्डल के निर्देश पर जनपदीय कार्यकारिणी का चुनाव महासंघ के केन्द्रीय कार्यालय राय भवन में सम्पन्न हुआ। महासंघ के घटक संघों की सदस्यों की उपस्थिति में जनपद अध्यक्ष इं. चन्द्रदत्त की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन इं. सुधीर गुप्ता ने किया। अतिथि के रूप में महासंघ के अध्यक्ष इं. एच.एन. मिश्र, इं. श्रवण कुमार, मण्डल अध्यक्ष राजर्षि त्रिपाठी सचिव इं. प्रदीप कुमार उपस्थित रहे। महासंघ अध्यक्ष ने मण्डल अध्यक्ष इं. राजर्षि त्रिपाठी और सचिव प्रदीप कुमार को निर्वाचन अधिकारी नामित किया। निर्वाचन अधिकारी ने संयुक्त रूप से बताया कि नव निर्वाचित कार्यकारिणी में इं. हस्सान अन्सारी जल निगम अध्यक्ष, इं. सुनील परिहारी राजकीय निर्माण निगम उपाध्यक्ष, इं. संजय कुमार लोक निर्माण विभाग सचिव और इं. विनोद कुमार सिंचाई सिविल संगठन सचिव चुने गए। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने तय किया कि माह में एक बार जनपदीय बैठक कर समस्त घटक संघों के सदस्यों की समस्याओं को सुना जाएगा। इन पर पहल जनपद स्तर पर फिर मण्डल स्तर पर तथा अंत में प्रान्तीय स्तर पर विचार कर समस्याओं का निदान कराया जाएगा।

अच्छी सरकार के लिए करें वोट, मायावती बोलीं, वोट से विकास के बंद दरवाजे खुलेंगे

लखनऊ (यूएनएस)। लोकसभा चुनाव के 7 वें और आखिरी चरण में उत्तर प्रदेश में 11 जिलों की 13 सीटों पर शनिवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। इसी को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आपके वोट से विकास के बंद दरवाजे खुलेंगे। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि देश में 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे आम चुनाव के आज 7 वें व अन्तिम चरण के मतदान में भी ’पहले मतदान फिर जलपान’ के संकल्प व पूरे जोश के साथ बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील, ताकि देश में रोजगार, सुरक्षा, आत्म–सम्मान व स्वाभिमान–युक्त जीवन देने वाली अच्छी सरकार बने।

शहर बन रहा है मेरा गाँव

पेड़ कट रहे हैं
बुलडोजार चल रहा है
गिराए जा रहे हैं रड, मिट्टी,रेत,गिट्टी
सारी परेशानिओं की होगी छुट्टी
दफ्तर बनेंगे, पक्की सड़क बनेगी
आधुनिक प्रविधियों की सहुलियत होगी
शहर बन रहा है मेरा गाँव
नही मिलती है सुस्ताने के लिए थोड़ी छाँव।
कुछ मित्र थे मेरे, कहीं दूर चले गए
सुबह सुबह आते थे मुझे जगाने
शाम को कलरव करते थे
शायद कहते थे श्हम आ गएश्
आजकल वे नहीं आते
बसेरा ही छूट गया कैसे आते ?
कांगॅ के नासपति बागान से
वो गिलहरियों की जोड़ी नहीं आती
मेरे घर के गुड़हल के पौधे में खेलने
बागान ही रहा नहीं
वे चले गए होंगे कहीं
रहेंगे कहाँ ?
वो बाँस की झूरमूट भी तो नहीं रही
जहाँ पवन बाँसुरी बजाया करता था कभी कभी
सब कुछ बदल रहा है , बदल गया
मेरा गाँव बदल गया
शहर बन रहा है मेरा गाँव
नहीं मिलती है सुस्ताने के लिए थोड़ी छाँव।

गीता लिम्बू
शिलांग –6

एनसीसी के बच्चों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। सेंटजॉन्स

एकेडमी रामपुर में 15 बीएन एनसीसी कैंप के बालक वा बालिकाओं को प्रयागराज यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक किया। इस अवसर कर्नल पीएस महापात्रा बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पवन पाण्डेय जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में निरीक्षक पवन पाण्डेय द्वारा बताया कि सड़क दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की जान चली जाती है। खासकर साइकिल चालकों के लिए सुरक्षित सफर करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। कारण है कि लोग नियमों को लेकर लापरवाही करते हैं। छात्रों को बताया गया कि कार चालक सीट बेल्ट वा दोपहिया चालक सही मानकों वाला हेलमेट पहनकर ही घर से निकलें। सड़क पर हमेशा दूसरे वाहनों से निश्चित दूरी बनाकर रखनी चाहिए। सड़क किनारे लगे दिशासूचक बोर्ड व सड़क सुरक्षा नियमों की भलीभांति जानकारी होनी चाहिए। वाहन चलाते समय नशा न करें। लोग कान में इयरफोन लगाकर गाड़ी चलाते हैं जो बेहद खतरनाक है। उन्होंने कई उदाहरण के माध्यम से छात्रों को बताया। इस कार्यशाला में एनसीसी के 530 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

इस कार्यशाला में मेजर राजेश तिवारी,सुबेदार रवि सिंह, जनार्दन दुबे,नितीश शुक्ल,प्रदीप दुबे,संदीप शुक्ल आदि लोग उपस्थित थे।.

यूपी में हाजियों के जीवन और स्वास्थ्य से खिलवाड़

हज कमेटी ने बिना खाद्य लाइसेंस वाली फर्म को दे दिया हज हाउस कैंटीन का ठेका!

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ से हज यात्रा पर जाने वाले हाजियों की सुविधा के लिए सरोजिनीनगर लखनऊ स्थित मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस में कैंटीन की व्यवस्था की गई है लेकिन यूपी हज कमेटी के अधिकारियों ने हज 2025 के हाजियों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने में भी शर्म नहीं की और भ्रष्टाचार में

लिप्त होकर बिना खाद्धय लाइसेंस वाली फर्म को हज हाउस की कैंटीन का ठेका दे दिया। इस बात का खुलासा राजाजीपुरम निवासी कंसलटेंट इंजिनियर संजय शर्मा द्वारा की गई एक शिकायत पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच रिपोर्ट से हुआ है जिसमें खाध्य विभाग ने संजय को लिखकर दिया है कि हज हाउस की कैंटीन में खान–पान का काम देख रही फर्म के पास फूड लाइसेंस नहीं है। संजय शर्मा ने इस मामले में हाजियों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने के इस मामले में यूपी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के उप निदेशक और हज कमेटी के सचिव एवं प्रशासनिक अधिकारी शिव प्रकाश तिवारी के साथ–साथ हज कमेटी के ओ.एस.डी. मोहम्मद जावेद खान की मुख्य भूमिका बताई है और इनके साथ साथ टेंडर के आरम्भ से अंत तक की कार्यवाही के लिए हज कमेटी के अन्य सभी उत्तरदाई अधिकारियों पर भ्रष्टाचार करके टेंडर देने का आरोप लगाया है और इस मामले में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ से की है। संजय बताते हैं कि पिछले साल तक हज कमेटी की वेबसाइट भी नहीं थी और कमेटी मनमानी करके ऑफलाइन टेंडरों में खेल कर रही थी लेकिन उनके द्वारा काफी प्रयास करने के बाद हज कमेटी को मजबूरी में इस वर्ष अपनी वेबसाइट बनाकर ऑनलाइन टेंडर की व्यवस्था शुरू करनी पड़ गई थी। संजय कहते है कि ऑनलाइन टेंडर व्यवस्था लागू होने के बाद भी हज हाउस की कैंटीन में खान–पान का ठेका एक ऐसी फर्म को दे देना जिसके पास फूड लाइसेंस तक नहीं हो, हज कमेटी का एक बहुत ही हैरतअंगेज कारनामा है और पूरी की पूरी ऑनलाइन टेंडरिंग व्यवस्था की शुचिता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है।संजय ने हज 2025 के लिए हज हाउस कैंटीन की संचालक फर्म को तत्काल ब्लैकलिस्ट करने की भी मांग उठाई है।

व्यापारी से लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के वजीरगंज इलाके में व्यापारी से हुई लूट का खुलासा हो गया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी व्यापारी की दुकान पर पहले काम करता था। घटना में पांच लोगों के होने की बात सामने आई है। पुलिस अन्य तीन को तलाश रही है। डीसीपी पश्चिम डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि लखनऊ में 26 मई को रात 11 बजे बाइक सवार बदमाशों ने कुंडी रकाबगंज के रहने वाले कृष्ण गोपाल वर्मा से लूट की थी। कृष्ण गोपाल की अहियागंज के पास स्वाती ट्रेडर्स के नाम से जनरल स्टोर है। जहां से लौटने के दौरान 5 बदमाशों ने प्लानिंग के तहत घटना को अंजाम दिया था। घटना को गंभीरत से लेते हुए पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस को शनिवार को सुबह 5.10 बजे मुखबिर से बदमाशों की सूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम रवाना हुई। डालीगंज पुल के पास से घटना में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए बदमाशों की पहचान गायत्रीनगर– 3, मड़ियांव के रहने वाले नवीन वाजपेई (24) पुत्र राम नारायण वाजपेई और रकाबगंज, वजीरगंज के रहने वाले गोपाल द्विवेदी (26) पुत्र सुशील द्विवेदी के रूप में हुई है। गोपाल द्विवेदी व्यापारी की दुकान पर एक साल पहले काम करता था। इसके बाद काम छोड़कर चारबाग में काम करने लगा था। जिसकी वजह से गोपाल को व्यापारी की सारी गतिविधियां के बारे पता था। पूछताछ में नवीन ने बताया व्यापारी से लूट करने की घटना पांच लोगों ने मिलकर दी थी। घटना के लिए अलीगंज से एक स्कूटी चुराई। इसके बाद उसका नंबर प्लेट हटा दिया। फिर लूट की घटना को अंजाम दिया गया। लूट के पैसे में नवीन ने एक लाख रुपए लिए जबकि गोपाल ने 25 हजार लिए। घटना के बारे में पूछने पर बताया कि नवीन और गोपाल की मुलाकात नाका में हुई थी। नवीन ने गोपाल से लूट की घटना को अंजाम देने की बात कही। इस पर गोपाल ने बताया कि उसने अहियागंज के व्यापारी कृष्ण गोपाल वर्मा की दुकान पर तीन साल काम किया है। बहुत बिक्री होती है। मार्केट में सबसे देर से दुकान बंद करके जाते हैं। इसके बाद लूट की प्लानिंग योजना बनाई। घटना में पांच लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। तीन की तलाश जारी है। चार बदमाश घटना को अंजाम देने के लिए खड़े थे जबकि 1 दुकान के पास खड़े होकर रेकी कर रहा था। घटना में पांच लोगों के होने की वजह से पुलिस ने डकैती धारा बढ़ा दी है।

फ्रिज का कंप्रेसर फटा, दुकानदार की मौत,धमाके की आवाज से दहला उठा इलाका

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ के बख्शी का तालाब के कोटवा गांव में फ्रिज का कंप्रेसर फटने से हड़कंप मच गया। हादसे में दुकानदार शिवबहादुर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग के बाद हादसा हुआ। दुकान में पेट्रोल बेचने का काम होता था। पेट्रोल की वजह से आग फैल गई। हालांकि पेट्रोल का कितना स्टॉक था इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। धमाके की आवाज सुनकर आस–पास के लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीकेटी फायर स्टेशन इंचार्ज प्रशांत कुमार ने बताया कि मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। इसी तरह लखनऊ के मौलवी गंज में 5 दिन पहले एसी की

मरम्मत के दौरान कंप्रेसर फट गया था। हादसे में 3 लोग झुलस गए थे। सभी को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था, हेल्फर की कंडीशन क्रिटिकल होने के कारण उसका दायां पैर भी काटना पड़ा था। घटना शनिवार रात की थी। धमाके की आवाज सुनकर इलाका दहल गया। आस–पड़ोस के लोग जमा हो गए। पुलिस को सूचना दी गई और घायलों को अस्पताल भेजा गया।

संक्षिप्त

आपका एक वोट आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा, योगी की मतदाताओं से अपील

लखनऊ (यूएनएस)। लोकसभा चुनाव के 7 वें और आखिरी चरण में उत्तर प्रदेश में 11 जिलों की 13 सीटों पर शनिवार सुबह 7 बजे से मतदान जारी है। इसी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत–विकसित भारतश के निर्माण के लिए वोट जरूर करें। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि लोकसभा चुनाव का आज सातवां और अंतिम चरण है। सम्मानित मतदाताओं से मेरी अपील है कि श्आत्मनिर्भर भारत–विकसित भारत के निर्माण और रामराज्य की संकल्पना को साकार करने हेतु मतदान अवश्य करें। आपका एक वोट आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। इसलिए, पहले मतदान, फिर जलपान!

मतदान अवश्य करें और नये भविष्य के निर्माण से जुड़ें,अखिलेश यादव की मतदाताओं से अपील

लखनऊ (यूएनएस)। लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के लिए आज सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सभी मतदाताओं से वोट करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संविधान ने जो अधिकार आपको दिया है, उसका सदुपयोग करें और अपने नागरिक होने का कर्तव्य निभाते हुए वोट डालने जरूर जाएं। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि 2024 के ऐतिहासिक लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण के सभी मतदाताओं से ये अपील है कि संविधान ने जो अधिकार आपको दिया है, उसका सदुपयोग करें और अपने नागरिक होने का कर्तव्य निभाते हुए वोट डालने जरूर जाएं। आपका एक वोट आपके एक पूरे जीवन को बदलने की शक्ति रखता है। इसीलिए मतदान अवश्य करें और नये भविष्य के निर्माण से जुड़ें! मतदान शुरू होने से पहले अखिलेश यादव ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों से अपील की है। उन्होंने भाजपाइयों के बहकावे में न आने और सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा, प्रिय कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और प्रत्याशियों। मैं आज आपसे एक बेहद जरूरी अपील कर रहा हूँ। आप सब कल वोटिंग के दौरान भी और वोटिंग के बाद के दिनों में भी, मतगणना खत्म होने और जीत का सर्टिफिकेट मिलने तक पूरी तरह से सजग, सतर्क, सचेत और सावधान रहिएगा और किसी भी प्रकार के भाजपाई बहकावे में न आइएगा।

तीन मंजिला इमारत में लगी आग, किचन में रखा सिलिंडर फटने से बचा

लखनऊ (यूएनएस)। राजधानी लखनऊ के इंदिरानगर सेक्टर–17 इलाके में तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से मकान मालिक आंशिक रूप से झुलस गए। पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से उनका अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह 9.30 बजे इंदिरा नगर फायर स्टेशन को सूचना मिली मुंशी पुलिया स्थित सेक्टर–17 सब्जी मंडी के पास एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई है। मौके से फायर की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची। जहां पर पता चला सुभाष चंद्र मिश्रा के मकान में पहले मंजिल पर आग लग गई है। किचन में रखे सिलेंडर में आग लगी थी। जिसे पंपिंग करके हॉज रील के माध्यम से आग पर पानी डालकर बुझाया गया। आग को पूरी तरह बुझाने के बाद मकान का निरीक्षण किया गया। जिसमें पता चला मकान के पहले मंजिले पर बने तीन कमरे व किचन पूरी तरह जल गया है। जिसमें दो किराएदार रहते थे। आग बुझाने के वजह से मकान मालिक सुभाष चंद्र शुक्ला भी झुलस गए। जिनको पुलिस और आसपास के लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। मकान में मुतफीक पुत्र जलील, बाराबंकी के रहने वाले रितेश पुत्र राम प्रसाद और अर्जुन पुत्र मिस्त्री लाल रहते हैं। तीनों व्यक्ति फास्ट फूड का ठेला लगाते हैं। घटना दुकान का सामान तैयार करने के दौरान हुई। हालांकि की कोई जनहानि नहीं हुई है।

परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल का होगा मेंटेनेंस

2 दिनों तक नहीं होंगे नए आवेदनय 50 हजार से ज्यादा लोगों को डीएल का इंतजार

लखनऊ (यूएनएस)। सारथी पोर्टल पर अगले 2 दिनों तक कोई आवेदन नहीं हो सकेगा। 15 दिनों में दूसरी बार पोर्टल के मेंटेनेंस का काम किया जाएगा। रविवार और सोमवार को पोर्टल मेंटेनेंस का काम पूरा होगा और मंगलवार से फिर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया जा सकेगा। परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल पर स्मार्ट कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन होता है। लोग ऑनलाइन आवेदन करके लर्निंग लाइसेंस बनवाते हैं। नियमित लाइसेंस और नवीनीकरण के लिए त्ज्व की ओर से जारी स्लॉट के अनुसार प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। पिछली बार पोर्टल पर 17–18 मई को भी मेंटेनेंस का काम किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि स्पीड तो बेहतर हुई है लेकिन डीएल मैनेजमेंट सिस्टम का साफ्टवेयर से मिलान नहीं हो पा रहा है। इससे स्मार्ट कार्ड डीएल बनने के बाद आवेदकों के घर तक नहीं पहुंच पा रहा है। मौजूदा समय में प्रदेश में करीब 50 हजार से अधिक लोग डीएल का इंतजार कर रहे हैं। ARTO प्रशासन अखिलेश द्विवेदी का कहना है, रविवार को अवकाश के कारण मेंटेनेंस आसानी से हो सकेगी। सोमवार को भी यह काम किया जाएगा और मंगलवार से वेबसाइट सामान्य तौर पर काम करना शुरू कर देगा। प्रदेशभर में 30 ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट को लेटर आफ इंटेंट जारी कर दिया है। इनमें से कुछ में कार्य शुरू होने में अभी वक्त लगेगा। प्रदेश में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 17 नए ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत स्थापित किए जाने की योजना पर काम शुरू हुआ था। तैयारी थी कि इन सभी इंस्टीट्यूट में 1 जून 2024 से ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शुरू होगी, लेकिन इसमें अभी इंतजार करना पड़ सकता है।

संक्षिप्त

अफगानिस्तान में नदी पार करते वक्त नाव डूबी, कम से कम 20 लोगों की मौत

पूर्वी अफगानिस्तान में एक नदी पार करते हुए शनिवार सुबह एक नाव पलटने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी। तालिबान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नंगरहार प्रांत में सूचना व संस्कृति विभाग में प्रांतीय निदेशक कुरैशी बदलोन ने कहा कि मोहमंद दारा जिले में एक नदी पार करते हुए नौका डूबने से महिलाओं और बच्चों समेत 20 लोगों की मौत हो गयी। बदलोन ने बताया कि नाव में 25 लोग सवार थे। ग्रामीणों के

अनुसार, इनमें से पांच ही लोग जीवित बचे हैं। नंगरहार के स्वास्थ्य विभाग ने एक बयान में बताया कि अभी तक एक पुरुष, एक महिला, दो लड़कों और एक लड़की समेत पांच शव बरामद किए गए हैं। एक चिकित्सा दल और एम्बुलेंस को इलाके में भेजा गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि हादसे किस वजह से हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अब भी अन्य शवों की तलाश कर रहे हैं। इलाके के निवासी गांवों और स्थानीय बाजारों के बीच सफर करने के लिए स्थानीय रूप से बनायी गयी नौकाओं का अक्सर इस्तेमाल करते हैं।

अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा की मां मारिया रॉबिन्सन का निधन

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा की

मां मारियां शील्ड्स रॉबिन्सन का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष की थी। वह अपने दामाद बराक ओबामा के राष्ट्रपति चुने जाने पर उनके परिवार के साथ 'व्हाइट हाउस' में ही रही थीं। 'व्हाइट हाउस' अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय है। मिशेल ओबामा और परिवार के अन्य सदस्यों ने एक बयान जारी कर रॉबिन्सन के निधन की जानकारी दी। रॉबिन्सन के पति का निधन पहले हो चुका है। रॉबिन्सन जीवनभर शिकागो में रही और 2009 में अपनी नातिन मालिया तथा साशा की देखभाल करने के लिए 'व्हाइट हाउस' आयी थीं।

जो बाइडेन ने रखा युद्धविराम का प्रपोजल, इजरायल ने किया खारिज, बेंजामिन नेतन्याहू ने सामने रखी अपनी शर्तें

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को गाजा में युद्ध विराम के लिए इजरायल के तीन चरणों वाले प्रस्ताव को पेश किया, जिसके बदले में इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस युद्ध को समाप्त करने का समय आ गया है और हमास से सकारात्मक प्रारंभिक प्रतिक्रिया मिली। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को दावा किया कि हमास अब इजरायल पर बड़े पैमाने पर एक और हमला करने में सक्षम नहीं रह गया है। साथ ही उन्होंने इजरायल और हमास से आग्रह किया कि वे शेष बंधकों को रिहा कर युद्ध–विराम समझौता करें। बाइडन ने इजरायल और हमास के बीच आठ महीने से जारी युद्ध के बारे में चर्चा की। इजरायली सेना ने शुक्रवार को पुष्टि की कि अब उसकी सेना रफह के मध्य हिस्सों में हमला करने की तैयारी कर रही है। बाइडन ने इजरायली अधिकारियों द्वारा हमास को दिए गए तीन–चरणीय समझौते के बारे में बात करते हुए कहा, यह वास्तव में एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा, इजराइल ने अपना प्रस्ताव रखा है। हमास का कहना है कि वह भी युद्ध विराम चाहता है। ऐसे में यह समझौता यह साबित करने का एक अवसर है कि क्या वे वास्तव में ऐसा चाहते हैं। इस महीने की शुरुआत में हमास और इजरायल के बीच युद्ध–विराम समझौता होने से रुक गया था क्योंकि हमास ने यह मांग की थी कि युद्ध समाप्त होने के बाद इजरायली सेना गाजा से पूरी तरह हट जाएगी और इसके बदले में हमास उनके सभी बंधकों को रिहा कर देगा, लेकिन इजरायल ने हमास की इस मांग को अस्वीकार कर दिया था।

बाइडेन ने जारी किया तीन चरणों में होने वाले युद्ध विराम का प्रपोजल

पहले चरण में छह सप्ताह का युद्ध विराम शामिल है, जब इजरायली सेना गाजा के सभी आबादी वाले क्षेत्रों॰ से हट जाएगी, सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में कुछ बंधकों – जिनमें बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं – को रिहा किया जाएगा, फिलिस्तीनी नागरिक गाजा में अपने घरों को लौट सकते हैं और प्रतिदिन 600 ट्रक तबाह हो चुके इलाके में मानवीय सहायता पहुंचाएंगे। इस चरण में, हमास और इजरायल एक स्थायी युद्ध विराम पर बातचीत करेंगे, जिसके बारे में बिडेन ने कहा कि यह तब तक चलेगा जब तक हमास अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरता है। यदि वार्ता छह सप्ताह से अधिक समय लेती है, तो अस्थायी युद्ध विराम तब तक जारी रहेगा जब तक वे जारी रहेंगे। दूसरे चरण में, बिडेन ने कहा कि पुरुष सैनिकों सहित सभी बचे हुए बंधकों की अदला–बदली होगी, इजरायली सेना गाजा से वापस लौटेगी और स्थायी युद्धविराम शुरू होगा। तीसरे चरण में गाजा के लिए एक प्रमुख पुनर्निर्माण योजना और बंधकों के ष्अंतिम अवशेषों को उनके परिवारों को वापस करना शामिल होगा। बाइडेन ने कहा, ष्यह युद्ध समाप्त होने और अगले दिन शुरू होने का समय है, जो

गाजा संघर्ष को रोकने के लिए चुनावी वर्ष के दबाव में हैं, जो अब अपने आठवें महीने में है। हमास, जिसके बारे में बिडेन ने कहा कि उसे कतर से प्रस्ताव मिला है, ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए एक बयान जारी किया। हमास ने कहा कि वह स्थायी युद्धविराम, इजरायली सेना की वापसी, गाजा के पुनर्निर्माण, विस्थापितों की वापसी और वास्तविक कैदी अदला–बदली सौदे पर आधारित किसी भी प्रस्ताव के साथ सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से जुड़ने के लिए तैयार है, अगर इजरायल इस तरह के सौदे के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्धता की घोषणा करता है।

इजरायल ने बाइडेन के प्रपोजल का दिया जवाब

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने अपनी वार्ता टीम को यह सौदा पेश करने के लिए अधिकृत किया है, ष्जबकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युद्ध तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक कि इसके सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते, जिसमें हमारे सभी बंधकों की वापसी और हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं का विनाश शामिल है। इसके अलावा, इजरायली सेना ने कहा कि उसके बलों ने कई दिनों की भीषण लड़ाई के बाद उत्तरी गाजा के जबालिया क्षेत्र में अभियान समाप्त कर दिया है, जबकि वे दक्षिणी गाजा में राफाह में आगे की जांच कर रहे हैं, ताकि वे उस क्षेत्र को निशाना बना सकें, जिसे वे हमास का अंतिम प्रमुख गढ़ कहते हैं। इजरायली आंकड़ों के अनुसार संघर्ष 7 अक्टूबर को शुरू हुआ जब इस्लामवादी फिलिस्तीनी समूह के नेतृत्व में बंदूकधारियों ने मोटरसाइकिल, पैराग्लाइडर और चार पहिया वाहनों पर दक्षिणी इजरायल में धावा बोल दिया, जिसमें 1200 लोग मारे गए और 250 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया गया। इसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी पर आक्रमण किया, जिसे नेतन्याहू ने हमास को नष्ट करने का प्रयास बताया है, जो एक उग्रवादी फिलिस्तीनी समूह है जिसने 2007 में एक हिंसक संघर्ष में फतह फिलिस्तीनी गुट से इस क्षेत्र पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम की व्यवस्था करने के लिए मिस्र, कतर और अन्य द्वारा की गई मध्यस्थता में वार्ता बार–बार रुकी है, जिसमें प्रत्येक पक्ष प्रगति की कमी के लिए एक–दूसरे को दोषी ठहराता है।

एक अनिश्चितकालीन युद्ध

अपने भाषण में, बिडेन ने इजरायली नेतृत्व से इजरायल में उन लोगों के दबाव का विरोध करने का आह्वान किया जो युद्ध को ष्अनिश्चित काल तकष जारी रखने के लिए दबाव डाल रहे थे, एक समूह जिसमें उन्होंने कहा कि इजरायली शासक गठबंधन में कुछ लोग शामिल थे। उन्होंने कहा ष्वे गाजा पर कब्जा करना चाहते हैं। वे वर्षों तक लड़ते रहना चाहते हैं और बंधक उनके लिए प्राथमिकता नहीं हैं। खैर, मैंने इजरायल में नेतृत्व से इस सौदे के पीछे खड़े होने का आग्रह किया है, चाहे जो भी दबाव आए। उन्होंने इजरायलियों से युद्ध विराम का मौका न चूकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ष्युद्ध के समय इजरायल जाने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में, ईरान द्वारा हमला किए जाने पर इजरायल की रक्षा के लिए अमेरिकी सेना को भेजने वाले के रूप में, मैं आपसे एक कदम पीछे हटने के लिए कहता हूं, सोचें कि अगर यह क्षण खो गया तो क्या होगा। ष्हम इस क्षण को नहीं खो सकते।

गाजा युद्ध ने बाइडेन को राजनीतिक संकट में डाल दिया

एक ओर, वह लंबे समय से इजरायल के कट्टर समर्थक रहे हैं और रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ 5 नवंबर के चुनाव में अपने पुनर्मिलन में संयुक्त राज्य अमेरिका में इजरायल समर्थक समुदाय से धन और समर्थन सुनिश्चित करना चाहते हैं। दूसरी ओर, बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील तत्व गाजा में नागरिकों को संघर्ष के कारण हुई पीड़ा के लिए राष्ट्रपति पर तेजी से नाराज हो रहे हैं। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों का अनुमान है कि इजरायल के हमले के बाद से गाजा में 36,280 से अधिक लोग मारे गए हैं, और संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि दस लाख से अधिक लोग भूख के षविनाशकारीष स्तर का सामना कर रहे हैं क्योंकि एन्क्लेव के कुछ हिस्सों में अकाल फैल रहा है। प्रस्ताव के लिए समर्थन जुटाने के अमेरिकी प्रयास का संकेत देते हुए, विदेश विभाग ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने जॉर्डन, सऊदी और तुर्की समकक्षों से बात की। तुर्की के विदेश मंत्री से बात करते हुए, ष्उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमास को इस समझौते को स्वीकार करना चाहिए और हमास के साथ संबंध रखने वाले हर देश को बिना देरी किए ऐसा करने के लिए दबाव डालना चाहिए। संयुक्त राज्य अमेरिका में पक्षपातपूर्ण विभाजन के बावजूद इजरायल के समर्थन के संकेत में, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली अमेरिकी सीनेट और रिपब्लिकन नेतृत्व वाली प्रतिनिधि सभा के नेताओं ने शुक्रवार को नेतन्याहू को कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया। इस सप्ताह रविवार को राफा में इजरायली हवाई हमले के नतीजों पर चर्चा हुई जिसमें 45 फिलिस्तीनी मारे गए। बाइडेन ने शुक्रवार को कहा, फिलिस्तीनी लोगों ने इस युद्ध में बहुत बुरा अनुभव किया है। हम सभी ने इस सप्ताह की शुरुआत में राफा में हुई घातक आग की भयानक तस्वीरें देखीं।

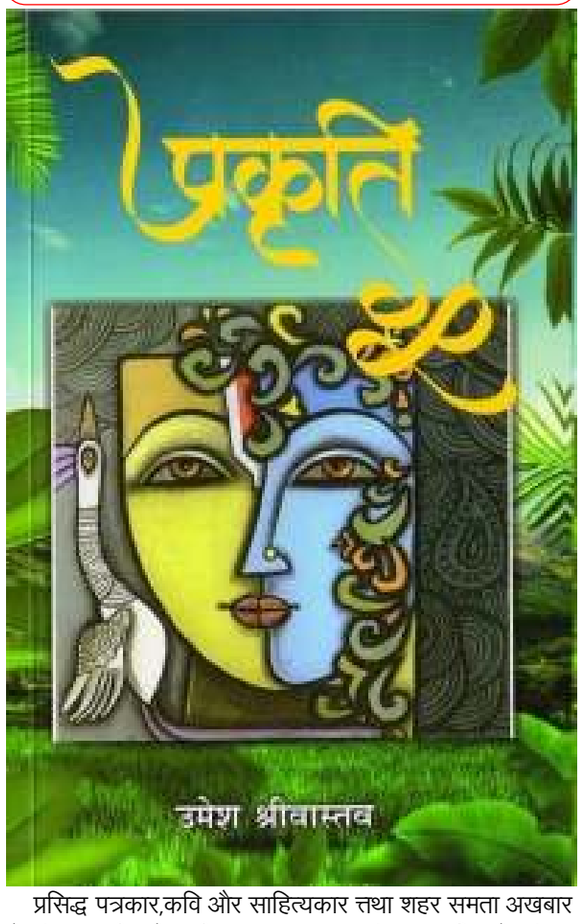

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

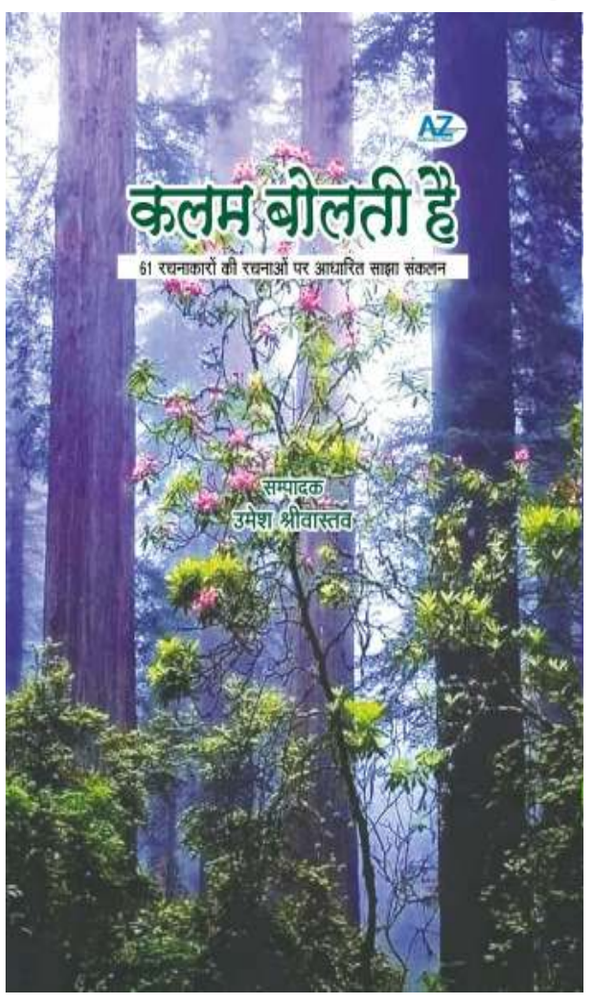

उत्तर अमेरिकाकी सबसे ऊंची पर्वतीय चोटी के पास फंसे एक मलेशियाई को बचाया गया, एक की मौत

उत्तर अमेरिका की सबसे ऊंची पर्वतीय चोटी के पास बर्फ में तीन दिन तक फंसे रहने के बाद मलेशिया के एक पर्वतारोही को शुक्रवार को बचा लिया गया, लेकिन उसके एक साथी की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलास्का के डेनली में उनके दल के तीसरे सदस्य को इस सप्ताह बचा लिया गया था। डेनाली नेशनल पार्क एंड प्रसर्व के कर्मियों ने बादलों और तेज हवाओं के बीच कुछ दिन तक मशक्कत के बाद शुक्रवार सुबह टीम के जीवित बचे सदस्य को बचा लिया। वह और उसका एक साथी मंगलवार देर रात से बर्फ में फंसे हुए थे।

न्यूयॉर्क के 'ब्रुकलिन' संग्रहालय में प्रदर्शनकारियों ने 'आजाद फलस्तीन' के बैनर लहराए, गिरफ्तार

अमेरिका में सैकड़ों फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार दोपहर को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन संग्रहालय तक मार्च किया और उसके परिसर में तंबू लगाने के अलावा इमारत की छत से 'आजाद फलस्तीन' के बैनर लहराए। इसके बाद पुलिस ने संग्रहालय में पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। न्यूयॉर्क शहर के पुलिस अधिकारियों की संग्रहालय के बाहर भीड़ में शामिल लोगों से मारपीट हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों ने भी अधिकारियों पर प्लास्टिक की बोतलें फेंकीं एवं अपमानजनक नारे लगाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने भव्य 'बीक्स आर्ट्स संग्रहालय' की सीढ़ियों पर हाथ में बैनर लेकर फलस्तीनी ध्वज लहराने के साथ जोरदार नारे लगाए। यह शहर का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रैली की शुरुआत शुक्रवार दोपहर में 'बार्कलेज सेंटर' की सड़क पर हुई। रैली में शामिल लोग ढोल बजाते और नारे लगाते हुए लगभग एक मील दूर संग्रहालय की ओर बढ़े।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

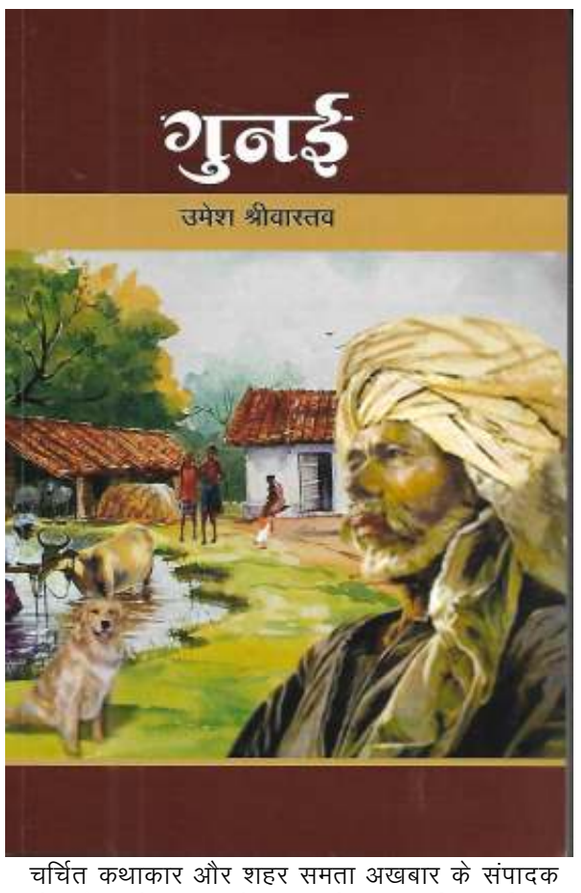

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

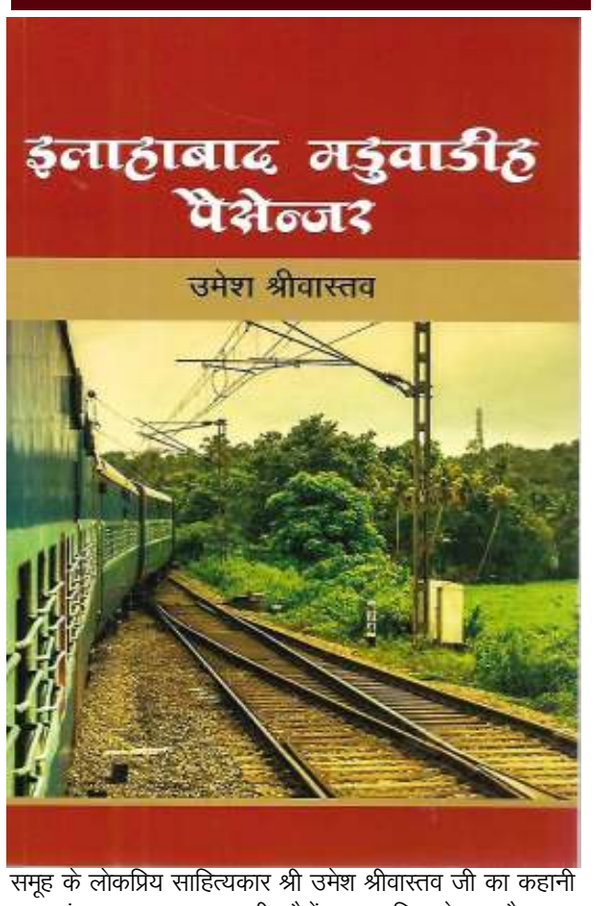

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

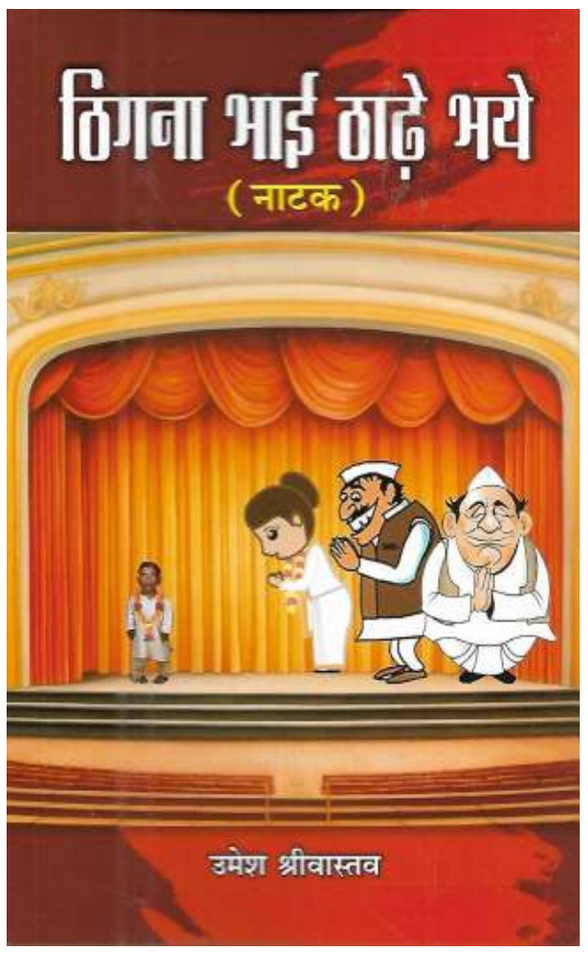

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)